अशोका एक्सप्रेस

राष्ट्रीय हिन्दी साप्ताहिक

निर्वाण प्राप्त गीता भारती

Member : CNSI, Delhi

Website :-www.ashokaexpress.com YouTube ashokaexpress

E-mail :-ashoka.express@live.com ashokaexpress

संपादक :- विजय कुमार भारती

प्रबंधक :- सज्जन सिंह

Phone : 9810674206

● वर्ष: 26 ● अंक : 48 ● नई दिल्ली ● 01 से 08 जनवरी 2024 ● पृष्ठ : 8 ● मूल्य : 2 रूपये

श्री रमेश बिधूड़ी, सांसद (लोकसभा) महिपालपुर, नई दिल्ली में ग्रीन वाटिका पार्क में विकसित भारत संकल्प यात्रा कार्यक्रम के दौरान पोषण वितरित करते हैं।

एक ही परिवार के दो बेटियां समेत चार लोगों ने की आत्महत्या

नई दिल्ली । आंध्र प्रदेश के विशाखापट्टनम में एक ही परिवार के चार सदस्यों ने कथित तौर पर आत्महत्या कर ली, वहीं एक सदस्य अस्पताल में भर्ती है। पुलिस ने बताया कि घटना विशाखापट्टनम के अनाकापल्ले जिले की है। उसने बताया कि मृतकों की पहचान शिव रामकृष्ण (40), उनकी पत्नी माधवी (38) और दो बेटियों के रूप में हुई है। पुलिस ने बताया कि उनकी तीसरी बेटी अस्पताल में भर्ती है। पुलिस को संदेह है कि परिवार ने आर्थिक तंगी की वजह से यह कदम उठाया। शुरुआती जांच से पता चला है कि रामकृष्ण गुंटूर जिले के तेनाली शहर का रहने वाला था और पेशे से सुनार था। वह कुछ साल पहले काम के सिलसिले में अनाकापल्ले शहर आया था और यहीं एक फ्लैट में अपने परिवार के साथ रहने लगा।

पंजाब की झांकी मुद्दा गर्माया, जाखड़ के आरोप पर सीएम मान को आया गुस्सा; बोले- आरोप साबित हुए तो राजनीति छोड़ दूंगा

लुधियाना। पंजाब के मुख्यमंत्री भगवंत मान ने कहा है कि पंजाब प्रदेश भाजपा अध्यक्ष सुनील जाखड़ झूठ बोल रहे हैं।

यदि वह साबित कर दें कि गणतंत्र दिवस परेड के लिए पंजाब की प्रस्तावित झांकी में उनकी या अरविंद केजरीवाल की फोटो थी, तो वह राजनीति छोड़ देंगे। यदि जाखड़ साबित नहीं कर पाते तो वह फिर पंजाब में न लौटे। भगवंत मान लुधियाना सर्किट हाउस में विकास प्रोजेक्टों पर अफसरों के साथ बैठक करने के बाद पत्रकारों से बातचीत कर रहे थे। मुख्यमंत्री ने कहा कि दिल्ली एयरपोर्ट पर पंजाब हेल्प सेंटर

खोला जा रहा है और ऐसा करने वाला पंजाब पहला राज्य होगा। इसके लिए आगमन स्थल पर बाकायदा जमीन ले ली गई है। विदेशों से आने वाले किसी भी पंजाबी को एयरपोर्ट पर आने वाली समस्याओं को दूर करने के लिए 24 घंटे पंजाब के अफसर रहेंगे।

संभल में 24 घंटे के भीतर तीन सगे भाईयों ने की खुदकुशी की कोशिश, दो की मौत

लखनऊ। उत्तर प्रदेश के संभल जिले में गुरूवार को 24 घंटे के भीतर तीन सगे भाइयों ने कथित तौर फंदाकर जान देना प्रयास किया, जिससे दो की मौत हो गई, जबकि एक जिंदगी और मौत के बीच जूझ रहा है। पुलिस ने शुक्रवार को यह जानकारी दी। पुलिस के अनुसार, धनारी थाना क्षेत्र के औरंगाबाद गांव के निवासी पान सिंह (19) ने बृहस्पतिवार को पेड़ से फंदा लगाकर जान दे दी।

बताया जा रहा है पिता के साथ विवाद के बाद उसने यह कदम उठाया। पुलिस ने बताया कि परिजन पान सिंह के शव को घर ले आये, घटना से आहत होकर शाम को उसके बड़े भाई बृजेश (22) ने घर के भीतर फंदा लगाने का प्रयास किया। इसके बाद परिजनों ने उसे अस्पताल में भर्ती कराया गया, जहां उपचार चल रहा है। घटना की जानकारी मिलने के बाद चंडीगढ़ में काम करने वाला तीसरा भाई मुनीश (25) शुक्रवार की सुबह गांव आ गया। पुलिस अधीक्षक कुलदीप सिंह गुनावत ने कहा, ''चंडीगढ़ से लौटने के बाद मुनीश (25) ने भी पेड़ से फंदाकर खुदकुशी कर ली। अधिकारी ने कहा, ''परिजनों ने दोनों शवों का अंतिम संस्कार कर दिया। ग्रामीणों ने हमें इस बारे में सूचना दी। इसके बाद वरिष्ठ अधिकारी गांव पहुंचे। उन्होंने बताया कि प्रथम दृष्टया पारिवारिक विवाद की बात सामने आ रही है।

यूपी की राजनीति में बड़ी हलचल, जेपी नड्डा से ओपी राजभर ने की मुलाकात

नई दिल्ली । उत्तर प्रदेश की राजनीति से बड़ी खबर सामने आ रही है. सुहेलदेव भारतीय समाज पार्टी के नेता और यूपी के पूर्व काबीना मंत्री ओम प्रकाश राजभर दिल्ली पहुंचे हैं. यहां उन्होंने भारतीय जनता पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष जगत प्रकाश नड्डा से मुलाकात की. योगी कैबिनेट विस्तार और लोकसभा चुनाव को लेकर जारी सियासी हलचल के बीच इस मुलाकात को अहम माना जा रहा है. मुलाकात के संदर्भ में ओपी राजभर ने सोशल मीडिया साइट एक्स पर पोस्ट किया. उन्होंने लिखा कि आज नई दिल्ली में भारतीय जनता पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष जेपी नड्डा से शिष्टाचार मुलाकात कर उत्तर प्रदेश और बिहार के राजनीतिक मुद्दों पर भी चर्चा हुई. उन्होंने कहा कि भर/राजभर जाति को अनुसूचित जनजाति में शामिल किये जाने के लिए प्रस्ताव यथा शीघ्र उत्तर प्रदेश सरकार से दिल्ली सरकार को रिपोर्ट मंगाने पर गंभीर चर्चा हुई. जेपी नड्डा से मुलाकात के दौरान ओपी राजभर के बेटे अरुन राजभर भी मौजूद रहे. उन्होंने भी इस संदर्भ में सोशल मीडिया पर पोस्ट किया. उन्होंने लिखा कि आज नई दिल्ली में सुहेलदेव भारतीय समाज पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष ओपी राजभर ने भारतीय जनता पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष जेपी नड्डा से शिष्टाचार मुलाकात कर उत्तर प्रदेश और बिहार के राजनीतिक मुद्दों पर भी चर्चा की. यूपी में लोकसभा चुनाव से पहले योगी कैबिनेट के विस्तार की चर्चा है. सियासी गलियारों में ओपी राजभर, दारा सिंह चौहान के यूपी मंत्रिमंडल में शामिल किए जाने की अटकलें जोरों पर हैं. ऐसे में ओपी राजभर की बीजेपी के राष्ट्रीय अध्यक्ष से मुलाकात को बेहद खास माना जा रहा है.

26/11 अटैक के मास्टरमाइंड हाफिज सईद के प्रत्यर्पण की तैयारी में भारत, पाकिस्तान सरकार को भेजे दस्तावेज

नई दिल्ली। भारत ने पाकिस्तान से लश्कर-ए-तैयबा (एलईटी) के संस्थापक हाफिज सईद के प्रत्यर्पण की मांग की है। दरअसल, हाफिज सईद 2008 के मुंबई आतंकवादी हमलों सहित विभिन्न आतंकवादी हमलों के लिए वांटेड है। विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता अरिंदम बागची ने कहा कि आतंकवादी के प्रत्यर्पण की मांग करने वाले कुछ दस्तावेजों के साथ अनुरोध हाल ही में इस्लामाबाद भेजा गया है। बागची ने अपने साप्ताहिक मीडिया ब्रीफिंग में एक प्रश्न का उत्तर देते हुए कहा कि हाल ही में प्रत्यर्पण के लिए अनुरोध भेजा गया था। मालूम हो कि सईद संयुक्त राष्ट्र द्वारा प्रतिबंधित आतंकवादी है। हाफिज सईद को सौंपने के लिए पाकिस्तान के प्रत्यर्पण अनुरोध पर विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता अरिंदम बागची ने कहा, संबंधित व्यक्ति भारत में कई मामलों में वांटेड है। वह संयुक्त राष्ट्र द्वारा प्रतिबंधित आतंकवादी भी है। इस संबंध में, हमने प्रासंगिक सहायक दस्तावेजों के साथ पाकिस्तान सरकार को एक विशेष मामले में मुकदमे का सामना करने के लिए उसे भारत प्रत्यर्पित करने का अनुरोध किया है। हम उन मामलों पर ध्यान केंद्रित किए हुए हैं , जिन मामलों के लिए उसे वांटेड किया गया है। यह एक हालिया अनुरोध है। प्रवक्ता अरिंदम बागची ने हाफिज सईद के करीबियों के चुनाव लड़ने पर कहा, हमने कुछ रिपोर्ट देखी है। हालांकि, हम किसी देश के आंतरिक मामलों पर टिप्पणी नहीं करते हैं। इस तरह के संगठनों का राजनीति में आना नई बात नहीं है और ये उनकी राजनीति का हिस्सा बन चुका है। इस तरह के डेवलपमेंट से हमारी सुरक्षा पर प्रभाव पड़ सकता है। हम इस तरह के डेवलपमेंट को मॉनिटर करना जारी रखेंगे, जिससे हमारी सुरक्षा पर प्रभाव पड़ता हो।

वृद्धावस्था पेंशन के लिए 60 से घटाकर 50 साल होगी पात्रता आयु, मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन का एलान

रांची । झारखंड के मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन ने कहा है कि उनकी सरकार वृद्धावस्था पेंशन के लिए योग्यता आयु 60 से घटाकर 50 कर रही है। उन्होंने कहा कि राज्य में कार्यालय स्थापित करने वाली कंपनियों में 75 फीसदी नौकरियां स्थानीय लोगों के लिए आरक्षित की जाएंगी। सोरेन ने कहा कि झारखंड देश का सबसे गरीब राज्य है और यह कोविड-19 और सूखे से जूझ रहा है। लेकिन इसके बावजूद राज्य सरकार में कोई अव्यवस्था नहीं है। उन्होंने दावा किया कि झारखंड जैसे गरीब राज्यों ने अन्य राज्यों को ऑक्सीजन की आपूर्ति की। महामारी के दौरान गरीब मजदूरों को बचाया गया। लेकिन दो

जंग का अखाड़ा बनी शामली निकाय बैठक! जमकर चले लात-घूंसे, एक दूसरे पर फेंकी गईं कुर्सियां

नई दिल्ली।

उत्तर प्रदेश के शामली में म्यूनिसिपल मीट में लात-घूंसे चलने का मामला सामने आया है. नगरपालिका परिषद के कुछ सदस्य एक बैठक के दौरान एक-दूसरे से भिड़ गए. सामने आए वीडियो में उनके झगड़े के आगे तो डब्ल्यूडब्ल्यूई कुश्ती मैच भी फीके लग रहे हैं. सदस्यों ने एक दूसरे पर जमकर लात-घूंसे बरसाए. बैठक में मौजूद लोगों ने खुद को दूसरों से बचाने के लिए वहां मौजूद मेजों तक को उठा लिया. हद तो तब हो गई, जब एक सदस्य ने कुर्सी पर चढ़कर दूसरे सदस्य के ऊपर कूदने की कोशिश की. चौंकाने वाली यह घटना शामली नगर पालिका परिषद की बोर्ड बैठक के दौरान हुई. इस

बैठक में नगर पालिका अध्यक्ष अरविंद संगल और विधायक प्रसन्न चौधरी भी मौजूद थे. उनके सामने भी कार्यकर्ता एक दूसरे से भिड़ पड़े. यह पूरी घटना वीडियो में कैद हो गई. घटना का वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल होते ही विपक्ष को काउंटर करने का एक मौका मिल गया. उत्तर प्रदेश के पूर्व मुख्यमंत्री अखिलेश यादव ने एक्स पर वीडियो शेयर करते हुए बीजेपी पर सीधा हमला बोला.

अपनी सुरक्षा का इंतजाम करके आएं-अखिलेश यादव

समाजवादी पार्टी चीफ अखिलेश यादव ने कहा कि यह घटना न सिर्फ स्थानीय शासन की स्थिति पर सवाल उठाती है बल्कि सत्तारूढ़ बीजेपी के भीतर तनाव और दरार को भी उजागर करती है. उन्होंने

समाजवादी पार्टी चीफ अखिलेश यादव ने कहा कि शामली की घटना न सिर्फ स्थानीय शासन की स्थिति पर सवाल उठाती है बल्कि सत्तारूढ़ बीजेपी के भीतर तनाव और दरार को भी उजागर करती है.

कहा, जब कोई विकास कार्य नहीं हुआ तो समीक्षा बैठक में और क्या हो सकता था, इसलिए शामली में पार्षदों के बीच मारपीट हो गई. बीजेपी शासन का सबक समीक्षा बैठक में अपनी सुरक्षा का इंतजाम करके आएं. इंडिया टुडे की रिपोर्ट के मुताबिक, यह बैठक शामली में 4 करोड़ रुपये की विकास परियोजनाओं पर चर्चा के लिए हो रही थी.

सम्पादकीय

कहीं राजनीतिक स्टंट तो नहीं

पंजाब की सबसे पुरानी पार्टी शिरोमणि अकाली दल (शिअद) जिसकी स्थापना अंग्रेजी सरकार के समय सिख गुरुद्वारा साहिबान के प्रबंध में दखलअंदाजी के विरोध में बनाई गई और शिरोमणि कमेटी के राजनीतिक विंग के तौर पर इसकी स्थापना की गई थी, के नेताओं की ओर से गत दिनों श्री हरमंदिर साहिब में श्री अकाल तख्त साहिब और पार्टी के 103वें स्थापना दिवस मनाने के लिए करवाए गए समारोह के समय पार्टी अध्यक्ष सुखबीर सिंह बादल की ओर से अकाली दल सरकार के समय हुई गलतियों के लिए माफी मांगी गई। सुखबीर की ओर से मांगी गई माफी को लेकर सिख पंथ में बड़ी चर्चा छिड़ गई है। कुछ लोग इस माफी मांगने की कार्रवाई का स्वागत कर रहे हैं तो कुछ लोग इसे सियासी स्टंट और सिख परम्पराओं के विपरीत मान रहे हैं। शिरोमणि अकाली दल जोकि मर मिटने वालों की पार्टी मानी जाती थी, और सिख अधिकारों की रक्षा के लिए सदैव ही कुर्बानियां देने के लिए तैयार रहती थी, के नेताओं और वर्करों ने शहीदियां तक भी प्राप्त कीं और अपनी सिखी विचारधारा पर अटल रहे। परन्तु पिछले समय अकाली नेता सिख कौम की मुश्किलें हल करने की ओर ध्यान देने के स्थान पर सरकारों की शक्ति का आनंद मानने में व्यस्त रहे और उन्होंने पार्टी के असली मुद्दों को ठंडे बस्ते में डाल दिया। शिअद में से कई लोग टूट गए और कई अकाली दल अस्तित्व में आए मगर लोगों ने अकाली दल बादल का साथ दिया और प्रकाश सिंह बादल के नाम पर बनाए गए अकाली दल की सरकारें बनीं। मगर बादल सरकार के समय जिस तरह सच्चा सौदा वाले राम रहीम की माफी, श्री गुरु ग्रंथ साहिब की बेअदबी के मामले, बहबलकलां और कोटकपूरा गोलीकांड तथा सरकार के चहेतों का रेता, नशे और भ्रष्टाचार के आरोपों में घिरना और सिख मर्यादा से दूर लोगों को बड़े पद देकर पार्टी में पीढ़ियों से वफादारी के साथ काम करते आ रहे वर्करों को सिर पर बिठाए जाने से पार्टी को बहुत नुकसान हुआ और आखिरकार पार्टी पंजाब विधानसभा में 3 सीटों पर सिमट कर रह गई।

कश्मीर सिर्फ सैन्य समस्या नहीं है

विदेशों से प्रायोजित आतंकवाद और आंतरिक हिंसा से निपटने में दुनिया की किसी भी फौज से ज्यादा अनुभव रखने वाली भारतीय सेना के प्रमुख मनोज पांडे ने पुंछ की घटनाओं के बाद जो फैसले किए हैं उनसे कश्मीरियों के जख्मों पर फाहा लगेगा और वहां की नाराजगी जल्दी शांत हो जाएगी, यह उम्मीद करनी चाहिए। खुद जाकर सारी चीजें देखना, जानना तो एक सामान्य ड्यूटी थी लेकिन पुंछ-राजौरी सैक्टर के प्रभारी ब्रिगेडियर कमांडर समेत 2 अधिकारियों को जांच पूरी होने तक वहां से हटाना और नए अधिकारी की तैनाती ज्यादा बड़ी चीज है। जांच चल रही है और उम्मीद करनी चाहिए कि अधिकारियों और जवानों को भी अपना पक्ष रखने का उचित मौका देने के साथ यह जल्दी ही दोषी लोगों को चिह्नित करने और सजा का सुझाव देने का काम भी पूरा करेगी। जाहिर तौर पर जांच के दायरे में इस सैक्टर में आतंकियों के हाथ सेना को होने वाले नुकसान का मुद्दा भी शामिल है। हम जानते हैं कि पहले एफ.आई.आर. दर्ज हो चुकी है। आतंकियों द्वारा घात लगाकर किए हमले में 4 जवानों के शहीद होने के बाद सेना की जवाबी कार्रवाई में 2 आतंकी मारे गए थे। बाकी की तलाश के लिए सेना ने जब पूछताछ के लिए कुछ लोगों को उठाया तो उनमें से 3 के मरने और बाकी के साथ भारी मारपीट का आरोप है। 3 लाशें मिलीं और जख्मी लोग भी सामने आए। उनका आरोप है कि ये मौतें सेना के दमन से हुईं और जख्म भी तभी लगे हैं। इसे लेकर घाटी एक बार फिर गरमाई थी। उम्मीद की जानी चाहिए कि सेना प्रमुख के फैसलों के बाद शांति कायम होगी। सुरक्षा बलों की गश्त और संख्या भी बढ़ाई गई है। अपने नौजवान साथियों की मौत से गुस्से में आकर संयम खोना और आतंकियों के बारे में जानकारी न मिलने के गुस्से में ज्यादा क्रूर व्यवहार करने की आशंका को खारिज नहीं करना चाहिए और तभी जांच भी हो रही है पर यहां यह सवाल उठाने में भी कोई हर्ज नहीं है कि जब आतंकी फौजी दस्ते पर हमला कर सकते हैं, नौजवानों को जबरन अपने आप्रेशन में भागीदार बना सकते हैं तो फौज के प्रति नफरत भड़काने के लिए क्या इस तरह की और हिंसा को अंजाम नहीं दे सकते। उनको भी सीधे पाक-साफ करार दिए जाने की जरूरत नहीं है और ग्रामीणों

द्वारा उनको सहयोग करने के प्रमाण आने पर सेना की सख्ती को नाजायज कैसे ठहराया जा सकता है। और अगर पिछले वर्षों की तुलना में पाक सीमा से घुसपैठ, यहां फौजी ठिकानों और दस्तों को निशाना बनाने के साथ घाटी के ग्रामीण इलाकों में आतंकी गतिविधियां बढ़ी हैं तो वह इस बात की भी गवाही दे रही हैं कि मन से हों या बेमन से आतंकियों को स्थानीय समर्थन मिलने लगा है। 4 साल पहले जब धारा 370 हटाने से लेकर कश्मीर को 3 टुकड़ों में बांटने और नए परिसीमन समेत अनेक बड़े फैसलों के साथ पूरे इलाके में सशस्त्र बलों की तैनाती बढ़ाई गई थी तब स्थिति काफी शांत लगती थी। इसके साथ ही पाकिस्तान को शांत करने के लिए बालाकोट काफी प्रभावी लगता था। फिर आतंकी कार्रवाई होने पर फौज को भी फैसले करने की काफी आजादी मिल गई थी। उसका भी असर होगा ही। पर अब धीरे-धीरे घाटी अशांत होने लगी और फौजी इकबाल कम पड़ने लगा है। उधर जम्मू क्षेत्र के पीर पंजाल वाले इलाके से घुसपैठ की घटनाएं भी बढ़ी हैं और पाक सीमा रक्षक घुसपैठ करा रहे हैं इसके प्रमाणों का ढेर भी लगता गया है, पर वह एक जानी हुई सी चीज है और उसका जवाब देना आसान है। पर स्थानीय लोगों में बेचैनी और आतंकियों के लिए सहानुभूति बढ़ना एकदम चिंता वाली बात है। जब किसी भी वजह से सामान्य लोगों को फौजी गुस्से का शिकार बनना पड़ेगा तो यह मर्ज तेजी से बढ़ता जाएगा। इसीलिए इस बार सेना प्रमुख द्वारा दिखाई गई तत्परता का स्वागत किया जाना चाहिए। लेकिन जिस रफ्तार में घुसपैठ और आतंकी वारदातें बढ़ रही हैं उसमें सेना वाले समाधान और सावधानियों की बहुत साफ सीमाएं हैं। लाख आजादी मिलने के बाद भी सेना के कमांडर एक हद से ज्यादा बड़े फैसले नहीं कर सकते क्योंकि मामला सीधे सरहद पार से जुड़ा मिलता है। पिछले हफ्ते ही फौज पर जो हमला हुआ उसमें 4 जवान शहीद हुए और हमलावर जत्था 2 नागरिकों के शव लेकर पाक सीमा में भाग गया। 2 लाशों को बुरी तरह क्षत-विक्षत कर दिया गया। जवानों के हथियार लूट लिए गए। 2018 से 2022 के दौरान अगर विभिन्न आतंकियों द्वारा की गई कार्रवाइयों में 174 नागरिक मारे गए थे तो इस साल सेना द्वारा की गई भिड़ंत/एनकाऊंटरों में 35 नागरिक मारे गए हैं। सेना के ठिकानों पर ड्रोन से हमला या उनके जरिए जासूसी कराने की घटनाएं काफी बढ़ गई हैं। पिछले 15 महीनों में सेना की टुकड़ियों पर पुंछ जैसा हमला भी देखने में आया है। नवम्बर में ही राजौरी में आतंकी ढूंढने के अभियान में 2 कैप्टनों समेत 4 जवान शहीद हुए थे। अप्रैल-मई में हुए दोहरे हमले में पुंछ में सेना के 10 जवान शहीद हुए थे। सेना का मानना है कि अभी करीब 100 आतंकी घाटी में सक्रिय हैं जिनमें 3 चौथाई विदेशी हैं, पर उनको स्थानीय समर्थन बढ़ता जा रहा है। और यहीं आकर साफ लगता है कि मामला सेना के संभालने वाला नहीं है। यह एक राजनीतिक मसला है और निष्पक्ष राजनीतिक फैसलों और कार्रवाइयों से ही इसका निदान होगा। संसद के अंदर या अदालतों में इसकी लड़ाई का अब ज्यादा मतलब नहीं है न वहां बहुत दावे करने का। (कहना न होगा कि यही चीज मणिपुर में भी दिखती है)। जमीन पर उतरकर फैसले करने, उसके हानि-लाभ को बर्दाश्त करने, जरूरी लगे तो पाठ्यक्रम सुधार करने का वक्त बीतता जा रहा है।

कुछ मुश्किलों से भी गुजरी केजरीवाल सरकार

नयी दिल्ली। उपराज्यपाल एवं नौकरशाही के साथ निरंतर टकराव, सेवा विषयक मामलों पर नियंत्रण को लेकर उच्चतम न्यायालय के फैसले के बाद कुछ समय के लिए उनपर अधिकार और मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल को प्रवर्तन निदेशालय का नोटिस 2023 में आम आदमी पार्टी (आप) सरकार के लिए प्रमुख घटनाएं रहीं। उच्चतम न्यायालय ने 11 मई को दिल्ली की निर्वाचित आप सरकार को नौकरशाहों की नियुक्ति एवं तबादलों समेत सेवा विषयक मामलों पर कार्यकारी नियंत्रण सौंपा था। इस फैसले के हफ्ते भर के भीतर ही भाजपा नीत केंद्र सरकार उपराज्यपाल के पक्ष में चीजें करने के लिए कानून ले आयी। हर बीतते सप्ताह और महीने में आप सरकार तथा राजनिवास एवं नौकरशाहों के बीच वाकयुद्ध तेज होता गया। उपराज्यपाल वी के सक्सेना, मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल और मुख्य सचिव नरेश कुमार इस वाकयुद्ध में उलझे रहे। जनवरी में दोनों पक्ष (आप सरकार एवं राजनिवास) तब एक-दूसरे के सामने आ गये जब केजरीवाल ने सरकारी विद्यालयों के अध्यापकों को प्रशिक्षण के लिए फिनलैंड भेजने में कथित रूप से बाधा डालने के खिलाफ अपने मंत्रियों एवं विधायकों के साथ विधानसभा से राजनिवास तक मार्च किया। केजरीवाल ने कहा,''उपराज्यपाल हमारे प्रधानाचार्य नहीं हैं। उन्होंने सक्सेना पर सरकार के कामकाज में दखल देने तथा निर्णय लेने की प्रक्रिया में उसकी अनदेखी का आरोप लगाया। दोनों के बीच दूरी बढ़ती ही गयी तथा साल के आखिर में सक्सेना ने दिल्ली सरकार के अस्पतालों में घटिया दवाइयों की कथित खरीद तथा आपूर्ति की सीबीआई जांच की सिफारिश कर डाली। उपराज्यपाल ने पिछले साल कथित आबकारी नीति घोटाले की सीबीआई जांच की सिफारिश की थी। अब इस मामले की जांच सीबीआई एवं प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) दोनों ही कर रहे हैं। हाल ही में ईडी ने इस कथित घोटाले से जुड़े धनशोधन मामले की अपनी जांच के सिलसिले में केजरीवाल को पूछताछ के लिए समन भेजा था। आबकारी 'घोटाले में सीबीआई द्वारा फरवरी में तत्कालीन उपमुख्यमंत्री मनीष सिसोदिया की गिरफ्तारी के साथ यह

जोर-आजमाइश बढ़ने लगी। आप सरकार ने तीखी प्रतिक्रिया व्यक्त करते हुए भाजपा नीत केंद्र सरकार एवं उपराज्यपाल पर शिक्षा, स्वास्थ्य एवं अन्य क्षेत्रों में उसके अच्छे कार्यों को पटरी से उतारने की साजिश का आरोप लगाया। केजरीवाल ने इस घटनाक्रम को 'गंदी राजनीति बताया और उम्मीद जतायी कि लोग उपयुक्त समय पर इसका जवाब देंगे। आप सरकार ने मुख्य सचिव के खिलाफ 'भ्रष्टाचार को लेकर कार्रवाई की मांग की। उच्चतम न्यायालय का 11 मई का फैसला केजरीवाल सरकार के लिए सकारात्मक कदम के रूप में आया था जब शीर्ष अदालत ने शहर की नौकरशाही पर नियंत्रण आप सरकार को प्रदान कर दिया। पहले सेवा संबंधी मामले उपराज्यपाल देखते थे। इस फैसले के कुछ घंटे बाद ही केजरीवाल सरकार ने सेवा सचिव का तथा सतर्कता निदेशालय समेत विभिन्न विभागों के शीर्ष अधिकारियों का स्थानांतरण कर दिया। केजरीवाल ने कहा कि पहले उनके हाथ बंधे हुए थे। उन्होंने चेतावनी दी कि जो अधिकारी सरकार के जनसंबंधी कामकाज में व्यवधान डालते हैं, उन्हें दुष्परिणाम भुगतने होंगे। आप सरकार इस फैसले का आनंद ले भी नहीं पाई थी कि केंद्र सरकार ने राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र दिल्ली सरकार (संशोधन) अध्यादेश जारी कर दिया तथा सेवा संबंधी नियंत्रण उपराज्यपाल के माध्यम से अपने हाथों में ले लिया। बाद में यह अध्यादेश कानून बन गया जिसमें मुख्यमंत्री की अगुवाई वाले तीन सदस्यीय राष्ट्रीय राजधानी सिविल सेवा प्राधिकरण के हाथों में सेवा संबंधी मामले दे दिये गये। हालांकि वास्तविक नियंत्रण उपराज्यपाल पास ही रहा क्योंकि इस प्राधिकरण के दो सदस्य नौकरशाह हैं। राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र दिल्ली सरकार (संशोधन) अधिनियम अगस्त में लागू होने के बाद निर्वाचित सरकार के उपराज्यपाल एवं अधिकारियों के साथ रिश्ते और खराब हो गए। आप सरकार ने अधिकारियों पर उसके काम में रूकावट डालने, मंत्रियों की बातें नहीं सुनने एवं बैठकों में नहीं आने का आरोप लगाया। सौरभ भारद्वाज एवं आतिशी जैसे मंत्रियों ने विभिन्न अवसरों पर वित्त विभाग पर अहम परियोजनाओं के लिए निधि रोकने का आरोप लगाया। हालांकि कुछ विभागों के सरकारी अधिकारियों ने कहा कि अड़चनों के बाजवूद कई उपलब्धियां रहीं। एक अधिकारी ने कहा, '' दिल्ली में मोहल्ला क्लीनिक की संख्या बढ़ती जा रही है तथा 2023 में 70 नये क्लीनिक बने। नये क्लीनिक का उद्घाटन रोकने, डॉक्टरों एवं प्रयोगशालाओं के लिए (जांच के बदले) भुगतान रोकने तथा मौजूदा 500 मोहल्ला क्लीनिक के कामकाज को बंद करने की अधिकारियों के कोशिश के बावजूद यह उपलब्धि हासिल हुई। हर दिन मोहल्ला क्लीनिक में करीब 70,000 मरीजों को मुफ्त इलाज, जांच और दवाइयां मिलती रहीं। साल 2023 में दिल्ली सरकार ने छह नये स्कूलों का तथा वर्तमान स्कूलों में तीन नये भवनों का उद्घाटन किया।

दिल्ली में प्रदूषण की समस्या से निपटने के लिए केजरीवाल सरकार ने एक नई पहल करते हुए 30 जनवरी को राउज एवेन्यू में 'रीयल-टाइम स्रोत विभाजन सुपरसाइट प्रयोगशाला की शुरुआत की। उन्होंने कहा कि आप सरकार अब यहां 'रीयल-टाइम स्रोत विभाजन अध्ययन की शुरुआत के साथ अधिक सटीक तरीके से प्रदूषण से निपटने में सक्षम होगी। ''वास्तविक समय स्रोत विभाजन अध्ययन दिल्ली प्रदूषण नियंत्रण समिति, भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान (आईआईटी)-दिल्ली, आईआईटी-कानपुर और टेरी की संयुक्त कवायद है। इस प्रयोगशाला का भुगतान बंद कर इसका काम रोकने के तमाम प्रयासों के बावजूद केजरीवाल सरकार को उच्चतम न्यायालय से राहत मिल गई।

स्वामी, प्रकाशक वं मुद्रक विजय कुमार ने अशोक सम्राट प्रिन्टर्स, 215, पीरागढ़ी गांव, दिल्ली-87 से मुद्रित कर बी-2/370, सुल्तानपुरी, दिल्ली-110086 प्रकाशित किया। सम्पादक : विजय कुमार। (RNI No. 70098/99) इस समाचार पत्र में प्रकाशित समस्त समाचारों के चयन एवं संपादन हेतु पी.आर.बी. एक्ट के अन्तर्गत उत्तरदायी हैं। समस्त विवाद दिल्ली न्यायालय के अधीन ही होंगें।

रूसी नागरिक ने जयशंकर के सामने किया रामचरितमानस का हिंदी अनुवाद, हैरान रह गए विदेश मंत्री

मॉस्को । भारतीय विदेश मंत्री एस जयशंकर रूस दौरे पर हैं। गुरुवार को विदेश मंत्री ने रूस के भारतविदों से सेंट पीट्सबर्ग में मुलाकात की। इस दौरान एक भारतविद ने रामचरितमानस का हिंदी अनुवाद कर विदेश मंत्री एस जयशंकर को हैरान कर दिया। बता दें कि भारतविद या इंडोलॉजिस्ट उन लोगों को कहा जाता है, जो भारतीय साहित्य, इतिहास, दर्शन आदि की पढ़ाई कर रहे हैं। विदेश मंत्री एस जयशंकर ने गुरुवार को कहा कि रिश्तों के निर्माण में संचार और एक दूसरे के प्रति समझ जरूरी है। आज हम एक बहुध्रुवीय दुनिया में रह रहे हैं, जहां पुनर्संतुलन हो रहा है। यह ऐसी दुनिया नहीं है जहां सिर्फ कुछ देशों का दबदबा हो। अंतरराष्ट्रीय संबंधों को विकसित करते समय मेरा फोकस भारतीय विशेषताओं के साथ वैश्विक संबंध बनाने पर है। रूस के सेंट पीट्सबर्ग में भारतीय विदेश मंत्री एस जयशंकर ने गुरु रबिंद्रनाथ टैगोर के नाम पर संचालित हो रहे एक स्कूल का दौरा किया। स्कूल में विदेश मंत्री ने नोबेल पुरस्कार विजेता कवि गुरु रबिंद्रनाथ टैगोर को श्रद्धांजलि भी अर्पित की। अपने दौरे का एक वीडियो भी विदेश मंत्री ने सोशल मीडिया पर पोस्ट किया। इस पोस्ट में जयशंकर ने लिखा कि इनका भारत के लिए जरूर गजब है। गुरुदेव रबिंद्रनाथ टैगोर के नाम पर रखे गए स्कूल जाकर बहुत अच्छा लगा। स्कूल में विदेश मंत्री का स्वागत रूस और भारत की पारंपरिक वेशभूषा पहने स्कूली बच्चों ने किया। इससे पहले विदेश मंत्री एस जयशंकर ने रूसी विदेश मंत्री सर्गेई लावारोव के बीच मुलाकात हुई। रूसी विदेश मंत्री ने बैठक के बाद भारत की विदेश नीति की जमकर सराहना की। उन्होंने कहा कि भारत की अध्यक्षता में जी20 देशों का जो नई दिल्ली में सम्मेलन हुआ था, वह इस बात का बेहतरीन उदाहरण है कि कैसे एक प्रभावशाली भूमिका के साथ न्याय किया जाता है। लावारोव ने कहा कि जी20 सम्मेलन में जो विज्ञप्ति जारी हुई, वह एक पक्षीय दस्तावेज नहीं था बल्कि उसमें सभी के हितों का ध्यान रखा गया। रूसी विदेश मंत्री ने अपने बयान में कहा कि भारत की विदेश नीति ना सिर्फ रूस के लिए बल्कि पूरी दुनिया के लिए एक उदाहरण है कि कैसे भारत ने जी20 में शानदार सफलता हासिल करते हुए सभी देशों को सम्मान दिया और यूएन चार्टर का भी पालन किया।

हमास की कैद में मौजूद सबसे बुजुर्ग महिला की हुई मौत की पुष्टि, राष्ट्रपति बाइडन ने जताया दुख

तेल अवीव । हमास की कैद में मौजूद सबसे बुजुर्ग इस्राइली महिला की मौत हो गई है। इस्राइल के किबुत्ज नीर ओज ने गुरुवार को बताया कि इसकी निवासी जूडिथ विंसटीन हगै को हमास के आतंकियों ने 7 अक्तूबर को ही मार डाला था। अब तक माना जा रहा था कि जूडिथ अभी भी हमास की कैद में मौजूद हैं। बता दें कि हमास ने 7 अक्तूबर के हमले में जूडिथ के पति गादी हगै को भी मार डाला था। अमेरिका के राष्ट्रपति जो बाइडन ने भी एक बयान जारी कर जूडिथ की मौत पर दुख जाहिर किया। बता दें कि जूडिथ इस्राइल के साथ ही अमेरिका की भी नागरिक थीं। मीडिया रिपोर्ट्स के अनुसार, 7 अक्तूबर को जब हमास के आतंकियों ने इस्राइल पर हमला किया था तो जूडिथ और उनके पति सुबह की सैर पर निकले हुए थे। जूडिथ और उनके पति को भी उन आठ अमेरिकी नागरिकों में शामिल माना जा रहा था, जो हमास की कैद में हैं। इस्राइली सेना ने गुरुवार को गाजा के दक्षिणी शहर खान यूनिस पर एयर स्ट्राइक की। इस्राइली सेना ने कहा है कि खान यूनिस में अतिरिक्त बलों की तैनाती की जाएगी। खान यूनिस, हमास के चीफ याहया सिनवार का शहर है। फलस्तीन में रेड क्रीसेंट सोसाइटी ने बताया कि गाजा के अल अमाल अस्पताल के पास बमबारी में कम से कम 10 लोगों की मौत हुई है। अल अमाल अस्पताल में करीब 14 हजार शरणार्थी शरण लिए हुए हैं। गाजा के स्वास्थ्य मंत्रालय ने दावा किया है कि गुरुवार को गाजा के रफाह शहर में बमबारी से 20 लोगों की मौत हुई है, जिनमें महिलाएं और बच्चे भी शामिल हैं। साथ ही दर्जनों लोग घायल भी हुए हैं। इस्राइली सेना ने बताया है कि गाजा में ऑपरेशन के दौरान उसके 167 जवान मारे जा चुके हैं। वहीं 7 अक्तूबर से अब तक कुल 500 जवान मारे गए हैं। इस्राइली हमलों में फलस्तीन के वेस्ट बैंक में भी 314 नागरिक मारे गए हैं। इस्राइली सेना ने वेस्ट बैंक में स्थित मनी एक्सचेंज दुकानों पर छापेमारी की। इस्राइली सेना को सूचना मिली है कि इन मनी एक्सचेंज दुकानों से हमास को फंडिंग की जा रही थी। वहीं विश्व स्वास्थ्य संगठन ने कहा है कि गाजा में भुखमरी के हालात पैदा हो गए हैं और लोग खाने और राहत सामग्री के ट्रकों को लूट रहे हैं।

जहां आतंकी निज्जर मारा गया, उसी सरे के जाने-माने मंदिर प्रमुख के बेटे के घर में घुसे बदमाश, फायरिंग की

ओटावा । कनाडा से एक बार फिर बड़ी खबर आ रही है। अब यहां के सरे में एक जानेमाने मंदिर के प्रमुख के घर पर गोलीबारी की गई है। जानकारी के मुताबिक, मंदिर प्रमुख के घर में कुछ अज्ञात बदमाश घुस आए और ताबड़तोड़ फायरिंग की। सरे खालिस्तानी आतंकियों का कैंप माना जाता है। यहीं एक गुरुद्वारे के पास आतंकी हरदीप सिंह निज्जर की हत्या कर दी गई थी। इसे लेकर प्रधानमंत्री जस्टिन ट्रूडो ने भारत पर गंभीर आरोप लगाए थे।

हालांकि, भारत इन्हें खारिज करता रहा है और कनाडा मामले में कोई ठोस सबूत भी पेश नहीं कर पाया है। घटना बीते बुधवार की बताई जा रही है। बताया गया कि बुधवार यानी 27 दिसंबर को सुबह करीब आठ बजे 80 एवेन्यू के 14900 ब्लॉक में फायरिंग की गई। सरे पुलिस के मुताबिक, जहां फायरिंग की गई, वह घर लक्ष्मीनारायण मुदिर के अध्यक्ष सतीश कुमार के बेटे का है। मीडिया रिपोर्ट्स में बताया गया है कि गोलीबारी में कोई घायल नहीं हुआ है। गौरतलब है कि उत्तरी अमेरिका और कनाडा में सक्रिय कुछ खालिस्तान समर्थक संगठन लगातार हिंदू मंदिरों में तोड़फोड़ की घटनाओं को अंजाम देते रहे हैं। खासकर कनाडा के ब्रिटिश कोलंबिया में इसी साल अगस्त में स्वामीनारायण मंदिर को निशाना बनाया गया था। मंदिर के गेट पर खालिस्तान जनमत संग्रह के पोस्टर लगा दिए गए, जिन पर खालिस्तानी आतंकी हरदीप सिंह निज्जर की भी तस्वीर लगी है। पोस्टर में लिखा गया था कि कनाडा 18 जून की हत्या की घटना में भारत की भूमिका की जांच कर रहा है। बता दें कि खालिस्तानी आतंकी हरदीप सिंह निज्जर, सरे के गुरुनानक सिख गुरुद्वारा साहिब का प्रमुख था। 18 जून की शाम गुरुद्वारा परिसर में ही दो अज्ञात बंदूकधारियों ने उसकी गोली मारकर हत्या कर दी थी। हरदीप सिंह निज्जर खालिस्तान टाइगर फोर्स का प्रमुख था।

भारत-फिलीपींस नौसेना अभ्यास से चीन बेचैन, कहा- दो देशों को तीसरे देश की सम्प्रभुता का ख्याल रखना चाहिए

बीजिंग । फिलीपींस की नौसेना के साथ भारतीय नौसैनिक जहाज के अभ्यास को लेकर चीन की सेना ने आपत्ति जताई है। बता दें दोनों देशों के नौसैनिक दक्षिण चीन सागर में अभ्यास कर रही हैं। इस पर ऐतराज जताते हुए चीन की सेना ने गुरुवार को बयान जारी करते हुए कहा कि कई देशों के बीच रक्षा सहयोग से तीसरे देशों के हितों और क्षेत्रीय शांति को नुकसान नहीं पहुंचना चाहिए। उन्होंने कहा कि चीन ने हमेशा इस बात पर जोर दिया है कि संबंधित देशों के बीच रक्षा और सुरक्षा सहयोग से तीसरे पक्ष के हितों को नुकसान नहीं पहुंचना चाहिए। साथ ही कहा कि उन्हें क्षेत्रीय शांति को छेड़ना नहीं चाहिए। बता दें चीन फिलीपींस और अन्य देशों के बीच सैन्य सहयोग को लेकर बेचैन दिखाई दे रहा है। विवादित दक्षिण चीन सागर के हिस्सों पर फिलीपींस और चीन की नौसेना अक्सर आमने-सामने रहते हैं। फिलीपींस की नौसेना ने इस महीने आरोप लगाया था कि चीनी जहाजों ने उसके जहाजों पर पानी की बौछारों का इस्तेमाल किया। इस महीने की शुरुआत में आईएनएस कदमत ने फिलीपींस की अपनी यात्रा के दौरान फिलीपींस नौसेना के एक अपतटीय गश्ती जहाज बीआरपी रेमन अलकराज के साथ दक्षिण चीन सागर में एक समुद्री अभ्यास में भाग लिया।

किसी देश का नाम लिए चीन ने कहा कि चाइना और फिलीपींस के बीच समुद्री विवाद बीजिंग और मनीला के बीच का मुद्दा है। उन्होंने कहा, चीन उच्च स्तर की सतर्कता बनाए रखेगा और राष्ट्रीय संप्रभुता, सुरक्षा और समुद्री अधिकारों और हितों की दृढ़ता से रक्षा के लिए आवश्यक कदम उठाएगा। उन्होंने दावा किया कि चीन की ओर से बार-बार दी गई चेतावनियों की परवाह न करते हुए फिलीपींस पक्ष ने चीन के दावे वाले क्षेत्रों में घुसपैठ करने के लिए एक जहाज भेजने पर जोर दिया।

फिलीपींस का जहाज चीनी तटरक्षक जहाज से टकरा गया और उसे क्षतिग्रस्त कर दिया।

मीडिया धर्मयुद्ध-भारतीय मीडिया कांग्रेस पत्रकारों को केंद्र और राज्य सरकारों से मान्यता देने की मांग

नई दिल्ली(आकाश शाक्य) में प्रेस क्लब ऑफ इंडिया में आयोजित भारतीय मीडिया कांग्रेस के दो दिवसीय सम्मेलन सरकारी हस्तक्षेप के लिए भावुक अपील का केंद्र बन गया। यह लोकतंत्र और मीडिया सम्मेलन था, जिसकी अध्यक्षता डॉ. पबित्रा मोहन सामंत्रे, मुख्य संपादक ओडिया दैनिक पर्यांबेख्यक और अंग्रेजी दैनिक द कलिंगा क्रॉनिकल द्वारा सम्मानित अतिथि के रूप में पूर्व भाजपा उपाध्यक्ष सूरजवन सिंह कटारिया,अध्यक्ष, भारतीय मान्यता प्राप्त पत्रकार एसोसिएशन विजय शंकर चतुर्वेदी ने समाज में अथक योगदान देने वाले समर्पित पत्रकारों के सामने आने वाली चुनौतियों का समाधान करने के लिए केंद्र और राज्य सरकारों की तत्काल आवश्यकता पर जोर दिया। चर्चाओं में पत्रकारों के लिए महत्वपूर्ण चिंताओं को रेखांकित किया गया, काम पर सुरक्षा, आधिकारिक मान्यता और साख की अनिवार्यता पर प्रकाश डाला गया। प्रतिनिधियों ने बेहतर कामकाजी परिस्थितियों, मुफ्त स्वास्थ्य सुविधाओं, पेंशन लाभ और असामयिक मृत्यु के मामले में परिवारों के लिए शोक सहायता की जोरदार वकालत की।

अन्य उल्लेखनीय हस्तियां और सम्मानित अतिथि जिनमें दिल्ली विश्वविद्यालय की प्रोफेसर

मीना शर्मा, मनोज सिंह तोमर (अध्यक्ष, भारतीय नमो एसोसिएशन), विजय शंकर चतुर्वेदी, अध्यक्ष, भारतीय मान्यता प्राप्त पत्रकार संघ और अशोक पांडे, राष्ट्रीय अध्यक्ष, भारतीय श्रमजीबी पत्रकार संघ, नई दिल्ली शामिल हैं। सरकारी कार्रवाई की तत्काल आवश्यकता पर बल देते हुए, इस मुद्दे पर अपनी आवाज उठाई। एक महत्वपूर्ण अवसर तब सामने आया जब प्रतिष्ठित पत्रकार, जिनमें निरोद रंजन पटनायक (न्यूज 7), पी.के. पत्रकारिता में उत्कृष्ट योगदान के लिए चौरसिया (दैनिका वास्कर), अजय शुलका (लक्ष्मी संदेश), गीता बर्मा (खोज खबर) और छह अन्य को सम्मानित किया गया। इस कार्यक्रम में संजय जैसे प्रमुख लोगों सहित सैकड़ों मीडिया प्रतिनिधियों की भारी उपस्थिति देखी गई। दास (एसोसिएशन के अध्यक्ष), रजनीकांत सामंत्रे (उपाध्यक्ष), और हृषिकेश मोहंती (महासचिव), सक्रिय रूप से चर्चा में भाग ले रहे हैं। जैसे ही भारतीय मीडिया कांग्रेस शुरू होती है, इन मीडिया अधिवक्ताओं की एकीकृत आवाज गूंजती है, अधिकारियों से स्वीकार करने का आग्रह करती है और एक जीवंत लोकतंत्र को आकार देने और बनाए रखने में पत्रकारों की अपरिहार्य भूमिका को मजबूत करना। वकालत की यह सिम्फनी सम्मेलन की दीवारों से परे गूंजते हुए तेज हो जाती है, क्योंकि पत्रकार सामूहिक रूप से समाज के लिए अपनी समर्पित सेवा में एक उज्जवल और अधिक सुरक्षित भविष्य के लिए प्रयास करते हैं।

राज्यसभा में राघव चड्ढा को पार्टी का नेता नियुक्त करने का आप का अनुरोध खारिज

नयी दिल्ली। सूत्रों के अनुसार, राज्यसभा के सभापति जगदीप धनखड़ ने राघव चड्ढा को संसद के उच्च सदन में पार्टी के अंतरिम नेता के रूप में नियुक्त करने के आम आदमी पार्टी (आप) के अनुरोध को खारिज कर दिया है। राज्यसभा में पार्टी के अंतरिम नेता के रूप में राघव चड्ढा की नियुक्ति की मांग करने वाले क्कप्रमुख अरविंद केजरीवाल के पत्र के जवाब में, धनखड़ ने लिखा, यह पहलू संसद में मान्यता प्राप्त दलों और समूहों के नेताओं और मुख्य सचेतकों को सुविधा प्रदान करेगा। देता है। अधिनियम 1998 और उसके तहत बनाए गए नियम। अनुरोध स्वीकार नहीं किया जा रहा है क्योंकि यह लागू कानूनी प्रणाली के अनुरूप नहीं है। सभापति के इनकार के बाद संजय सिंह राज्यसभा में आम आदमी पार्टी के नेता बने रहेंगे. इस महीने की शुरुआत में, आप नेतृत्व ने धनखड़ को लिखे एक पत्र में संजय सिंह की अनुपस्थिति में चड्ढा को संसद के उच्च सदन में पार्टी के नेता के रूप में नियुक्त करने का अनुरोध किया था। धनखड़ को एक पत्र में अरविंद केजरीवाल ने लिखा, ÷मैं राज्यसभा में अंतरिम पार्टी नेता के रूप में श्री राघव चड्ढा का नाम प्रस्तावित करना चाहूंगा जब तक कि आगे बदलाव आवश्यक न समझे जाएं। हमारा अनुरोध है कि यह बदलाव राज्यसभा के नियमों और प्रक्रियाओं के अनुसार किया जाए अनुमति दी जाए।÷ पत्र में दावा किया गया है कि संजय सिंह स्वास्थ्य संबंधी मुद्दों के कारण यह भूमिका निभाने में असमर्थ हैं। दिल्ली शराब नीति मामले में आप सांसद संजय सिंह इस समय जेल में हैं। चड्ढा उत्तरी राज्य पंजाब का प्रतिनिधित्व करने वाले राज्य सभा के सबसे युवा सदस्यों में से एक हैं। मौजूदा समय में आप के पास उच्च सदन में कुल 10 सांसद हैं। बीजेपी, कांग्रेस और टीएमसी के बाद क्क राज्यसभा में चौथी सबसे बड़ी ताकत है।

राम मंदिर पर सैम पित्रोदा के बयान से कांग्रेस ने किया किनारा, जयराम रमेश ने कही बड़ी बात

नयी दिल्ली।

कांग्रेस ने शुक्रवार को वरिष्ठ नेता सैम पित्रोदा की अयोध्या में राम मंदिर निर्माण के महत्व पर सवाल उठाने वाली हालिया टिप्पणियों से खुद को अलग कर लिया और कहा कि वह इस मामले पर पार्टी के रुख को प्रतिबिंबित नहीं करते हैं। कांग्रेस संचार प्रभारी जयराम रमेश ने स्पष्ट किया कि समाचार एजेंसी एएनआई के साथ एक साक्षात्कार में व्यक्त किए गए पित्रोदा के विचार उनके अपने थे और पार्टी की आधिकारिक स्थिति का प्रतिनिधित्व नहीं करते हैं। रमेश ने कहा, वह कांग्रेस का दृष्टिकोण नहीं बता रहे हैं, यह उनका दृष्टिकोण है।÷ उन्होंने कहा कि पित्रोदा ÷कांग्रेस पार्टी के लिए नहीं बोलते हैं। इंडियन ओवरसीज कांग्रेस के वर्तमान अध्यक्ष पित्रोदा ने यह कहकर विवाद खड़ा कर दिया था कि बेरोजगारी जैसे गंभीर मुद्दों पर राम मंदिर पर ध्यान केंद्रित करना उन्हें ÷परेशान÷ करता है। यह बयान 22 जनवरी को राम मंदिर के निर्धारित उद्घाटन से कुछ दिन पहले आया है, जहां प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी द्वारा मंदिर के गर्भगृह में राम लला की मूर्ति स्थापित करने की उम्मीद है। पित्रोदा ने आगामी 2024 लोकसभा चुनावों और राजनीति में धर्म पर अत्यधिक जोर के बारे में अपनी आशंकाएं व्यक्त कीं।

कांग्रेस नेता ने कहा था कि मैं इसे लेकर चिंतित हूं क्योंकि धर्म को बहुत अधिक महत्व दिया जाता है। मैं देख रहा हूं कि लोकतंत्र को कमजोर किया जा रहा है... मुझे ऐसे संकेत मिल रहे हैं कि हम गलत दिशा में हैं। और जब पूरा देश राम मंदिर और राम जन्मभूमि, दीया जलाओ पर अटका हुआ है, तो यह मुझे परेशान करता है। पित्रोदा ने पीएम मोदी पर निशाना साधते हुए कहा, मुझे यह बात परेशान करती है कि हर कोई सोचता है कि देश में सब कुछ प्रधानमंत्री की वजह से होता है।

कोरोना का खतरा बढ़ा : बीते 24 घंटे में 797 नए मामले, बीते सात महीने का सबसे बड़ा आंकड़ा; जेएन.1 के कुल 145 केस

नई दिल्ली । देश में कोरोना के बढ़ते मामले लगातार चिंता बढ़ा रहे हैं। केंद्रीय स्वास्थ्य मंत्रालय ने शुक्रवार को बताया कि बीते 24 घंटे में देश में कोरोना के कुल 797 नए मामले मिले हैं। बता दें कि यह बीते करीब सात महीने (225 दिन) में एक दिन में मिले मरीजों का सबसे बड़ा आंकड़ा है। इसके साथ ही देश में कोरोना के एक्टिव मामले बढ़कर 4091 हो गए हैं। बीते 24 घंटे में कोरोना से पांच लोगों की मौत हुई है। वहीं देश में कोरोना का नया वैरिएंट जेएन.1 का खतरा भी लगातार बढ़ रहा है। देश में गुरुवार तक जेएन.1 से संक्रमित मरीजों की संख्या 145 तक पहुंच गई है। जेएन.1 के मरीजों का यह आंकड़ा 21 नवंबर से लेकर 18 दिसंबर के बीच का है। इससे पहले देश में कोरोना के 865 मामले एक दिन में 19 मई को दर्ज किए गए थे। उसके बाद से देश में कोरोना मरीजों की संख्या में लगातार गिरावट देखी गई, लेकिन 5 दिसंबर के बाद से फिर से कोरोना के मामले बढ़ने शुरू हो गए और अब फिर यह चिंताजनक रूप से रफ्तार पकड़ता दिख रहा है। बीते 24 घंटे में कोरोना से जो मरीज मरे हैं, उनमें दो केरल और एक-एक मरीज महाराष्ट्र, पुडुचेरी और तमिलनाडु से है।

जिन राज्यों में कोरोना के सबसे ज्यादा एक्टिव मरीज मिले हैं, उनमें केरल, महाराष्ट्र, कर्नाटक और आंध्र प्रदेश का नाम शामिल है। केरल में बीते 24 घंटे में कोरोना के 277 एक्टिव मरीज मिले हैं। वहीं कर्नाटक में 89, महाराष्ट्र में 104 और आंध्र प्रदेश में 22 एक्टिव मरीज मिले हैं। साल 2020 में जब कोरोना महामारी की शुरुआत हुई थी तो जब कोरोना लहर चरम पर थी तो देश में रोजाना लाखों लोग कोरोना संक्रमित हो रहे थे। अब तक देश में साढ़े चार करोड़ से ज्यादा लोग कोरोना संक्रमित हो चुके हैं। बीते चार साल में देश में कोरोना से 5.3 लाख मरीजों की मौत हुई है। देश में 4.4 करोड़ से ज्यादा लोग कोरोना संक्रमण से ठीक हुए हैं और रिकवरी की दर 98.81 प्रतिशत है। स्वास्थ्य मंत्रालय के आंकड़ों के अनुसार, देश में अब तक कोरोना वैक्सीन की 220 करोड़ डोज दी जा चुकी हैं।

राम मंदिर के उद्घाटन समारोह में शामिल होंगी सोनिया गांधी : जयराम रमेश

नयी दिल्ली। 22 जनवरी 2024 को रामलला अपने भव्य मंदिर में विराजमान होने वाले हैं। श्रीराम मंदिर प्राण प्रतिष्ठा समारोह में शामिल होने के लिए कई बिजनेस मैन-फिल्मी हस्तियों से लेकर राजनीतिक पार्टियों को न्योता भेजा गया है। इसी बीच कांग्रेस के अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे और सोनिया गांधी राम मंदिर के उद्घाटन में शामिल होंगे या नहीं, इसे लेकर बड़ी जानकारी सामने आई है। कांग्रेस महासचिव जयराम रमेश ने कहा कि, कांग्रेस संसदीय दल की प्रमुख सोनिया गांधी और कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे को 22 जनवरी को अयोध्या में राम मंदिर के उद्घाटन के लिए आमंत्रित किया गया है। हमारे नेता उद्घाटन समारोह में शामिल होंगे या नहीं, इसका फैसला उचित समय पर किया जाएगा और उचित समय पर जानकारी दी जाएगी। ऑल झारखंड स्टूडेंट्स यूनियन (आजसू) पार्टी के प्रमुख सुदेश महतो अयोध्या में रामजन्म भूमि पर बन रहे मंदिर में भगवान राम के बाल स्वरूप के विग्रह की 22 जनवरी को होने वाली प्राण प्रतिष्ठा के समारोह में शामिल हो सकते हैं। महतो ने शुक्रवार को कहा कि उन्हें उद्घाटन समारोह का आमंत्रण मिला है। अयोध्या में भव्य राम मंदिर का निर्माण हो रहा है। 22 जनवरी को इसका उद्घाटन होगा और इसी दिन भगवान राम के बाल स्वरूप के विग्रह की प्राण प्रतिष्ठा की जाएगी। समारोह में प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी शामिल होंगे। राजस्थान के अजमेर में विश्व हिन्दू परिषद (विहिप) की ओर से राष्ट्रव्यापी गृह सम्पर्क

गणतंत्र दिवस परेड के लिए दिल्ली-पंजाब की झांकी रिजेक्ट होने पर भड़के भारद्वाज, बोले-आप से बदला ले रही केंद्र

नई दिल्ली। स्वास्थ्य मंत्री सौरभ भारद्वाज ने शुक्रवार को कहा कि भाजपा नीत केंद्र सरकार ने राष्ट्रीय राजधानी एवं सीमावर्ती राज्य (पंजाब) में शासन कर रही आम आदमी पार्टी (आप) से 'बदला लेने के लिए गणतंत्र दिवस परेड के लिए दिल्ली एवं पंजाब की झांकियां खारिज कर दी हैं। भारद्वाज ने यहां संवाददाता सम्मेलन में कहा कि केंद्र ने तीन सालों से दिल्ली की झांकियों को इस परेड में शामिल नहीं किया। अधिकारियों के अनुसार गणतंत्र दिवस परेड में आखिरी बाद 2021 में दिल्ली की झांकी को जगह मिली थी। उसमें शाहजहांनाबाद पुनर्विकास परियोजना को दर्शाया गया था। भारद्वाज ने कहा कि इस साल दिल्ली की झांकी में शहर के विद्यालयों एवं मोहल्ला क्लीनिक मॉडल को प्रदर्शित किया जाना था। मंत्री ने कहा, ''देश की राजधानी दिल्ली की झांकी को केंद्र ने खारिज कर दिया। उसकी झांकी को 2022, 2023 और अब फिर 2024 की परेड के लिए खारिज कर दिया गया।

गुजरात को अक्टूबर 2019 से मार्च 2023 तक 2.39 लाख करोड़ रुपए का एफडीआई मिला : अधिकारी

अहमदाबाद ।

गुजरात को अक्टूबर 2019 से मार्च 2023 के बीच 2.39 लाख करोड़ रुपए का प्रत्यक्ष विदेशी निवेश (एफडीआई) हासिल हुआ। वह एफडीआई आकर्षित करने वाले शीर्ष भारतीय राज्यों में से एक है। आधिकारिक प्रेस विज्ञप्ति में यह जानकारी दी गई।

विज्ञप्ति के अनुसार, राज्य सरकार के प्रयासों से पिछले कुछ वर्षों में गुजरात में एफडीआई में लगातार वृद्धि हुई है। वाइब्रेंट गुजरात ग्लोबल समिट (वीजीजीएस) ने इसे हासिल करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई। वाइब्रेंट गुजरात ग्लोबल समिट (वीजीजीएस) का 10वां संस्करण 10 से 12 जनवरी के बीच राज्य की राजधानी गांधीनगर में आयोजित किया जाएगा। अधिकारियों ने बताया

कि गुजरात देश के शीर्ष निवेश स्थलों में से एक है। उसे अक्टूबर 2019 से मार्च 2023 तक 2.39 लाख करोड़ रुपए (31 अरब डॉलर) का एफडीआई प्राप्त हुआ। वीजीजीएस की वेबसाइट के अनुसार, राज्य में 2022-23 में सालाना आधार पर एफडीआई में करीब 84 प्रतिशत की वृद्धि देखी गई, जो सभी राज्यों तथा केंद्र शासित प्रदेशों में सर्वाधिक है। वेबसाइट पर दी जानकारी के अनुसार, ''2021 में लागू किए गए कुल औद्योगिक उद्यमी ज्ञापन या आईईएम (1.04 लाख करोड़ रुपए) में गुजरात का योगदान 30 प्रतिशत रहा। यह सभी राज्यों तथा केंद्र शासित प्रदेशों में सबसे अधिक था। अधिकारियों ने बताया कि अपने '' उत्कृष्ट बुनियादी ढांचे, संपर्क और योग्य कार्यबल के साथ राज्य सरकार ''ईज ऑफ डूइंग बिजनेस (व्यापार करने में सुगमता) पहल के तहत गुजरात में कारोबारी माहौल को बेहतर बनाने के प्रयास कर रही है। उन्होंने बताया कि इसमें निवेशक सुविधा मंच की स्थापना, स्वीकृतियां तथा लाइसेंस ऑनलाइन जारी करना, डिजिटलीकृत भूमि बैंक तथा स्व-प्रमाणन शामिल है। राज्य वृद्धि के पथ पर आगे बढ़ रहा है और प्रगति तथा समृद्धि के नए आयाम स्थापित कर रहा है। प्रेस विज्ञप्ति के अनुसार, वाइब्रेंट गुजरात शिखर सम्मेलन के पहले संस्करणों में कोई भागीदार देश नहीं थे। 2019 से व्यापक निवेशक बैठक में 15 भागीदार देश शामिल हुए।

लाल सागर में समस्या के कारण चावल निर्यात प्रभावित, दिसंबर के आंकड़ों से स्पष्ट होगी तस्वीर : पीयूस गोयल

नई दिल्ली। वाणिज्य एवं उद्योग मंत्री पीयूष गोयल ने कहा कि लाल सागर में समस्याओं के कारण चावल निर्यात प्रभावित हुआ है। हालांकि, दिसंबर का निर्यात आंकड़ा आने के बाद ही स्पष्ट तस्वीर सामने आएगी। यमन स्थित हूती आतंकवादियों के हालिया हमलों के कारण लाल सागर और भूमध्य सागर को हिंद महासागर से जोड़ने वाला एक महत्वपूर्ण मार्ग बाब-अल-मंडेब जलडमरूमध्य के आसपास की स्थिति खराब हो गई है। भारत के निर्यात पर लाल सागर की समस्या के प्रभाव के बारे में मंत्री ने कहा, ''अभी तक हमने कोई तत्काल प्रभाव नहीं देखा है... एक उद्योग जो प्रभावित हुआ है, मुझे बताया गया है कि वह चावल निर्यात है, लेकिन दिसंबर के आंकड़ों के बाद अधिक विवरण का पता चलेगा। वैश्विक कंटेनर यातायात के 30 प्रतिशत के लिए महत्वपूर्ण इस जलडमरूमध्य में

वर्ष 2023 में विभिन्न घटनाओं के साथ तनाव बढ़ गया है, जिसमें क्षेत्रीय और वैश्विक शक्तियों द्वारा हमले और सैन्य युद्धाभ्यास शामिल हैं। बाब-अल-मंडेब जलडमरूमध्य, जिसे अरबी में 'आंसू का द्वार भी कहा जाता है, एक महत्वपूर्ण व्यापार मार्ग है जो लाल सागर और स्वेज़ नहर के माध्यम से भूमध्य सागर और हिंद महासागर को जोड़ता है। यह अफ़्रीका को अरब प्रायद्वीप से अलग करता है। निर्यातकों के मुताबिक, लाल सागर में संघर्ष बढ़ने पर मिस्र और यूरोपीय देशों को भारत की बासमती चावल निर्यात की खेप प्रभावित हो सकती है।

साल 2023 में शेयर बाजार निवेशकों की हुई चांदी, संपत्ति में आया जबरदस्त उछाल

बिजनेस डेस्क । शेयर बाजार के लिए 2023 एक यादगार वर्ष रहाज सकारात्मक कारकों के दम पर शेयरों में शानदार तेजी आई और दलाल स्ट्रीट के निवेशकों ने इस साल अपनी संपत्ति में 80.62 लाख करोड़ रुपए जोड़े। विशेषज्ञों का मानना है कि भारत की मजबूत व्यापक आर्थिक बुनियाद, तीन राज्यों में हाल ही में हुए चुनाव में भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) की जीत से राजनीतिक स्थिरता, आशावादी कॉर्पोरेट आय दृष्टिकोण, अमेरिकी फेडरल रिजर्व के अगले साल तीन संभावित दरों में कटौती को लेकर संकेत देने और भारी खुदरा निवेशकों की भागीदारी ने 2023 में शेयर बाजार में तेजी लाने में अहम भूमिका निभाई। इस साल 28 दिसंबर तक 30 शेयर वाले बीएसई सेंसेक्स ने 11,569.64 अंक या 19 प्रतिशत की बढ़त हासिल की। इस साल अभी तक बीएसई में सूचीबद्ध कंपनियों का बाजार पूंजीकरण 80,62,310.14 करोड़ रुपए बढ़कर 3,63,00,558.07 करोड़ रुपए के सर्वकालिक उच्च स्तर पर पहुंच गया। गुरुवार को कारोबार के अंत में बीएसई-सूचीबद्ध कंपनियों का बाजार मूल्यांकन उच्चतम स्तर पर पहुंच गया था। स्वस्तिक इन्वेस्टमार्ट लिमिटेड के प्रबंध निदेशक सुनील न्याति ने कहा कि भारतीय बाजार ने लचीलेपन का प्रदर्शन किया और व्यापक उभरते बाजारों में उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वालों में से एक बनकर उभरा है। उन्होंने कहा कि 2023 न केवल भारतीय शेयर बाजार के लिए एक अच्छा साल रहा, बल्कि खुदरा निवेशकों को भी इस साल मुनाफा हुआ। न्याति ने कहा, ''खुदरा निवेशक अब गिरावट के दौरान घबराते नहीं हैं, वे आत्मविश्वास से अपने निवेश को बरकरार रख रहे हैं और भारत की आर्थिक उन्नति के साथ चलने को तैयार हैं।'' भारतीय बाजारों ने इस साल उस समय अपनी उपलब्धियों में और इजाफा किया जब बीएसई पर सूचीबद्ध कंपनियों का संयुक्त बाजार मूल्यांकन इस साल 29 नवंबर को पहली बार 4000 अरब अमेरिकी डॉलर तक पहुंच गया। मोतीलाल ओसवाल ब्रोकिंग एंड डिस्ट्रीब्यूशन की ओर से जारी एक बयान के अनुसार, ''राजस्थान, मध्य प्रदेश और छत्तीसगढ़ के राज्य चुनाव में भाजपा की प्रचंड जीत के साथ 2024 के लोकसभा चुनाव के बाद निवेशकों में राजनीतिक निरंतरता को लेकर विश्वास बढ़ा हैज।'' बयान में कहा गया, ''यह भारत की वृहद तथा नीतिगत गति के लिए अच्छा संकेत है, जिसमें अन्य प्रमुख अर्थव्यवस्थाओं की तुलना में सबसे अधिक वृद्धि हो रही है।''

बीएसई सेंसेक्स इस साल 20 मार्च को 52 सप्ताह के निचले स्तर 57,084.91 अंक पर पहुंचने के बाद 28 दिसंबर को 72,484.34 अंक के अपने सर्वकालिक उच्च स्तर पर पहुंच गया। इस वर्ष बीएसई सूचकांक ने आठ में मासिक लाभ दर्ज किया, जबकि शेष चार में गिरावट आई। बीएसई सूचकांक नवंबर में 4.87 प्रतिशत उछला, जबकि दिसंबर में अभी तक इसमें आठ प्रतिशत की तेजी आ चुकी है। बजाज आलियांज लाइफ इंश्योरेंस के मुख्य निवेश अधिकारी संपत रेड्डी ने कहा, ''मजबूत सकल घरेलू उत्पाद की वृद्धि, मध्यम मुद्रास्फीति, स्थिर रुपए और भारत के मजबूत व्यापक आर्थिक बुनियादी सिद्धांतों ने इस लचीलेपन में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई। वैश्विक स्थितियों में सुधार के साथ-साथ मुद्रास्फीति में नरमी, केंद्रीय बैंक द्वारा दरों में बढ़ोतरी पर रोक और आय में निरंतर वृद्धि के दम पर भारतीय सूचकांकों में तेजी आई।'' व्यापक बाजार में तेजी ने भी समग्र आशावाद को बढ़ाया। इस साल 28 दिसंबर तक बीएसई स्मॉलकैप सूचकांक में 13,455.51 अंक या 46.51 प्रतिशत का उछल आया।

वहीं मिडकैप सूचकांक 11,213.69 अंक या 44.29 प्रतिशत चढ़ा। जियोजित फाइनेंशियल सर्विसेज के मुख्य निवेश रणनीतिकार वी. के. विजयकुमार ने कहा, ''भारत में भारतीय अर्थव्यवस्था के मजबूत प्रदर्शन तथा अच्छी कॉर्पोरेट कमाई ने तेजी को बढ़ावा दिया।'' बाजार मूल्यांकन के लिहाज से शीर्ष पांच कंपनियों की बात करें तो रिलायंस इंडस्ट्रीज 17,63,001.81 करोड़ रुपए के साथ पहले नंबर पर है। 13,90,823.72 करोड़ रुपए के बाजार मूल्यांकन के साथ टाटा कंसल्टेंसी सर्विसेज दूसरे नंबर पर, एचडीएफसी बैंक 12,94,593.58 करोड़ रुपए के साथ तीसरे, आईसीआईसीआई बैंक 7,05,236.23 करोड़ रुपए के साथ चौथे नंबर पर और इंफोसिस 6,48,713.08 करोड़ रुपए के बाजार मूल्यांकन के साथ पांचवे नंबर पर है।

बाजार में जनवरी सीरीज की सुस्त शुरुआत, सेंसेक्स गिरकर 72,351 पर ओपन, निफ्टी भी फिसला

नई दिल्ली। साल 2023 के आखिरी कारोबारी दिन आज 29 दिसंबर को शेयर बाजार की चाल धीमी पड़ गई है. सेंसेक्स और निफ्टी गिरावट के लाल निशान के साथ खुले हैं. आज ही जनवरी सीरीज की शुरुआत भी हो चुकी है और इसकी शुरुआत गिरावट के साथ हुई है. आज के कारोबार के दिन शेयर बाजार की शुरुआत गिरावट के साथ हुई है. बीएसई का सेंसेक्स 58.79 अंक की गिरावट के साथ 72,351 के लेवल पर कारोबार की ओपनिंग दिखा पाया है. एनएसई का निफ्टी 41.05 अंक या 0.19 फीसदी की गिरावट के साथ 21,737 के लेवल पर खुला था. सेंसेक्स के 30 में से केवल 9 शेयरों में ही तेजी देखी गई है और 21 शेयरों की मौजूदगी गिरावट के लाल दायरे में देखी जा रही है. सबसे ज्यादा तेजी टाटा मोटर्स में देखी जा रही है और मारुति में 0.63 फीसदी की तेजी देखी जा रही है. बजाज फिनसर्व 0.59 फीसदी की बढ़त के साथ बना हुआ है और सन फार्मा 0.55 फीसदी की उछाल पर है. एचयूएल में 0.51 फीसदी की तेजी देखी जा रही है.सेंसेक्स कंपनियों में कोटक महिंद्रा बैंक, टाइटन, भारतीय स्टेट बैंक, पावर ग्रिड, रिलायंस इंडस्ट्रीज, इंफोसिस और एनटीपीसी के शेयर नुकसान में रहे. वहीं टाटा मोटर्स, मारुति, सन फार्मा, बजाज फिनसर्व और आईटीसी के शेयरों को फायदा हुआ. एशियाई बाजारों में दक्षिण कोरिया का कोस्पी, जापान का निक्केई और हॉन्गकॉनेग का हैंगसेंग नुकसान में रहे, जबकि चीन का शंघाई कम्पोजिट फायदे में रहा.

एक खामोश संसद : हटाए गए प्रश्नों का लोकतांत्रिक प्रतिनिधित्व पर प्रभाव

इस वर्ष, शीतकालीन सत्र 4 दिसंबर को शुरू हुआ और 21 दिसंबर को कुल 18 दिनों की बैठक के साथ समाप्त हुआ। जबकि सत्र में कई विधेयकों को बिना उचित प्रक्रिया, चर्चा या संवाद के जल्दबाजी में मंजूरी मिल गई। इस सत्र में, फिर से, महत्वपूर्ण कानूनों पर किसी भी उचित और सार्थक चर्चा की अनुपस्थिति 2014 के बाद से मोदी दोनों कार्यकालों में निर्धारित दोहराव का एक पैटर्न है। संसद के शीतकालीन सत्र का दूसरा भाग विशेष रूप से उल्लेखनीय था क्योंकि लोकसभा में सुरक्षा उल्लंघन देखा गया था, जिसके बाद संसद के दोनों सदनों से 146 सांसदों को निलंबित कर दिया गया था, जो प्रत्येक सदन की 19त्न ताकत थी। संसद के इतिहास में निलंबन की यह अब तक की सबसे बड़ी संख्या है। आश्चर्यजनक रूप से, सभी निलंबित सांसद विपक्षी दलों के थे, जिसके परिणामस्वरूप दूरसंचार विधेयक और आपराधिक कानून विधेयक जैसे महत्वपूर्ण विधेयक दोनों सदनों में न्यूनतम बहस और विपक्ष के बहुत कम या कोई इनपुट के बिना पारित हो गए। इस सत्र के दौरान प्रस्तुत सभी 10 विधेयक ÷सफलतापूर्वक पारित÷ किये गये। इसके अलावा, पिछले सत्र से लंबित सात विधेयकों को भी मंजूरी मिल गई। भले ही लोकसभा ने अपने निर्धारित समय का 74त्न और राज्यसभा ने 81त्न समय तक काम किया, सीमित विचार-विमर्श और विपक्ष से न्यूनतम इनपुट के चलते महत्वपूर्ण कानूनों के त्वरित पारित होने और बढ़ी हुई उत्पादकता में बाधा आई और संसद के कई सदस्यों के निलंबन के कारण उनकी अनुपस्थिति के कारण तेजी से अनुमोदन हुआ। न्यूनतम संशोधनों के साथ 17 विधेयकों के पारित होने के कारण हाल ही में संपन्न सत्र पर चिंतन अनिवार्य है। दोनों सदनों के अध्यक्ष और ऑनरेवल चेयर द्वारा मनमाने ढंग से निलंबन पर चर्चा भी आवश्यक है क्योंकि इनसे भेदभाव रहित आचरण की उम्मीद की जाती है। इस तथ्य के अलावा कि 240 मिलियन भारतीयों के निर्वाचित प्रतिनिधियों को इस तरह बेशर्मी से चुप करा दिया गया, मोदी के नेतृत्व वाली केंद्र सरकार इससे भी आगे निकल गई। शीतकालीन सत्र के दौरान तीन दिनों की अवधि में, निलंबित विपक्षी सांसदों द्वारा पूछे गए सवालों में से अधिकांश को लोकसभा और राज्यसभा दोनों के रिकॉर्ड से हटा दिया गया, जिससे एक चिंताजनक प्रवृत्ति का पता चलता है जो लोकतंत्र के सार को दबा देता है। 19 से 21 दिसंबर के बीच संसदीय सूची से कुल 264 प्रश्न मिटा दिए गए। आयकर जांच और व्यक्तिगत डेटा सुरक्षा से संबंधित महत्वपूर्ण मुद्दों को संबोधित करने वाले ये प्रश्न, निर्वाचित प्रतिनिधियों के लिए सरकार से जांच करने और जवाबदेही मांगने के साधन के रूप में संसद के अभिलेखागार में बने रहने चाहिए थे। 13 दिसंबर को संसद में हुए सुरक्षा उल्लंघन पर जवाबदेही की मांग करने वाले 146 सांसदों के निलंबन के बाद उनकी पूछताछ को रिकॉर्ड से हटा दिया गया, विधायी ढांचे के भीतर उनकी आवाज को प्रभावी ढंग से दबा दिया गया। पार्लियामेंट्री ऑब्जर्वर माध्यम के अनुसार, अनुत्तरित अधिकांश प्रश्न उन सांसदों (निर्वाचित सदस्यों) द्वारा पूछे गए थे जिन्हें अस्थायी रूप से निलंबित कर दिया गया था। प्रकाशन में बताया गया है कि एक बार जब किसी प्रश्न को उत्तर देने के लिए स्वीकार कर लिया जाता है, तो उस प्रश्न का उत्तर देने के लिए सदन में प्रश्न पूछने वाले सांसद की उपस्थिति आवश्यक नहीं होती है। यह उन दोनों प्रश्नों के लिए सत्य है जिनके लिए मौखिक और लिखित उत्तर की आवश्यकता होती है। और फिर भी प्रश्न अनुत्तरित रह गए, जिससे लोगों की सरकारी कामकाज के बारे में सीखने की क्षमता पर प्रतिकूल प्रभाव पड़ेगा। इन प्रश्नों को हटाने का प्रभाव संसद के कक्षों से परे तक फैला हुआ है। यह लोकतांत्रिक प्रक्रिया में एक गंभीर सेंध का प्रतीक है, जो जनता की चिंताओं और हितों की वकालत करने वाले निर्वाचित प्रतिनिधियों की भूमिका को ख़त्म कर देता है।

प्रमुख तकनीकी कंपनियों में आयकर जांच, आधार उपयोगकर्ताओं के व्यक्तिगत डेटा के उल्लंघन और चिकित्सा डेटा से समझौता करने से संबंधित प्रश्न लाखों लोगों को प्रभावित करने वाले महत्वपूर्ण मुद्दों को रेखांकित करते हैं, फिर भी वे अनुत्तरित रहे, जिससे नागरिक अपनी सरकार के बारे में महत्वपूर्ण जानकारी से वंचित हो गए। सवाल हटाने की प्रक्रिया ने न केवल विपक्ष के लिए सरकार को जवाबदेह ठहराने के रास्ते को बाधित किया बल्कि नागरिकों के सूचना के अधिकार को भी बाधित किया। सांसद अपने निर्वाचन क्षेत्रों की विविध चिंताओं और आवाज़ों का प्रतिनिधित्व करते हैं; उनकी पूछताछ को चुप कराकर, सरकार ने अनजाने में उन्हीं मतदाताओं को चुप करा दिया जिनका प्रतिनिधित्व करने के लिए उन्हें चुना गया था। राष्ट्रीय जनता दल (राजद) के सांसद मनोज कुमार झा, जिन्हें सोमवार को शेष सत्र के लिए राज्यसभा से निलंबित कर दिया गया था, ने कहा- ÷हमारी चिंताओं को गैलरी, लॉबी या चैंबरों तक सीमित न रखें। इसके बजाय, सुनिश्चित करें कि उन चिंताओं का सार, जो एक प्रश्न के माध्यम से आकार दिया गया है, ख़त्म न हो जाए। यदि वह सार कम हो जाता है, तो यह हम सभी के लिए एक गंभीर चिंता का प्रतीक है। झा ने कहा कि प्रश्नों की एक श्रृंखला के माध्यम से, उन्होंने शिक्षा मंत्रालय से दिल्ली विश्वविद्यालय में शिक्षकों के ÷बड़े पैमाने पर विस्थापन के बारे में जानना चाहा। केवल एक झटके में, आपने उन सभी के करियर को प्रभावी ढंग से समाप्त कर दिया है। यह प्रश्न अत्यधिक महत्व रखता है, विशेषकर उच्च शिक्षा और उसमें प्रतिनिधित्व के विचार से संबंधित। हालाँकि, ऐसा लगता है कि सरकार के कामकाज के बारे में गंभीर सवालों से बचने के लिए सांसदों को निलंबित करना सरकार का विशेषाधिकार या शायद उनकी इच्छा बन गई है, उन्होंने कहा। लोकसभा सांसद दानिश अली, जिन्हें हाल ही में पार्टी विरोधी गतिविधियों÷ के लिए बसपा से निष्कासित कर दिया गया था और मंगलवार को निचले सदन से निलंबित कर दिया गया था, ने कहायह वास्तव में दुर्भाग्यपूर्ण है क्योंकि मुझे बिना किसी कारण के निलंबित कर दिया गया । मैं सदन के वेल में नहीं गया, मैंने कोई तख्ती नहीं पकड़ी और उन्होंने मुझे निलंबित कर दिया। तो मुझे कहाँ जाना चाहिए? ये सवाल उस दिन नहीं पूछे जा रहे हैं, जब हमें सस्पेंड किया गया था। इन्हें पहले मैदान में उतारा गया था। हमें उन्हें लगभग दो सप्ताह पहले लिखित में देना था... यह सरकार नहीं सोचती कि वे संसद के प्रति जवाबदेह हैं। इसके अलावा, हटाए गए प्रश्नों में तकनीकी नीति से लेकर स्वास्थ्य सेवा और कानून प्रवर्तन तक कई महत्वपूर्ण क्षेत्र शामिल हैं, जो नागरिकों के जीवन को सीधे प्रभावित करने वाले क्षेत्रों में महत्वपूर्ण जानकारी के प्रवाह पर इस दमन के बहुमुखी प्रभाव को उजागर करते हैं। इन सवालों की अनुपस्थिति न केवल मजबूत बहस के मंच के रूप में संसद की घटती भूमिका को दर्शाती है, बल्कि एक चिंताजनक मिसाल को भी दर्शाती है जहां विपक्ष की सरकार से सवाल पूछने की क्षमता कम हो जाती है, जिससे अंततः सत्ता में बैठे लोगों की जवाबदेही सीमित हो जाती है। इसने एक ऐसा माहौल तैयार किया जहां जांच को पीछे छोड़ दिया गया और लोकतांत्रिक प्रक्रिया प्रभावित हुई। इस सत्र के दौरान प्रश्नों को हटाने की गूंज केवल शब्दों के विलोपन से भी अधिक तीव्र है; यह लोकतंत्र के मूलभूत सिद्धांतों-पारदर्शिता, जवाबदेही और प्रतिनिधित्व के दमन को दर्शाता है। लहर का प्रभाव संसदीय कक्षों से कहीं आगे तक फैला हुआ है, जिससे नागरिकों की आवश्यक जानकारी तक पहुंच प्रभावित हो रही है और लोकतांत्रिक प्रक्रिया भी बाधित हो रही है। इस सत्र के दौरान प्रश्न हटाए जाने की गूंज केवल शब्दों के विलोपन से भी अधिक तीव्र है; यह लोकतंत्र के मूलभूत सिद्धांतों-पारदर्शिता, जवाबदेही और प्रतिनिधित्व के दमन को दर्शाता है। लहर का प्रभाव संसदीय कक्षों से कहीं आगे तक फैला हुआ है, जिससे नागरिकों की आवश्यक जानकारी तक पहुंच प्रभावित हो रही है और लोकतांत्रिक प्रक्रिया भी बाधित हो रही है।

बस की सीट टूटने पर स्कूल के मैनेजर ने बच्चे को पीटा, 20 से 25 बार डंडे बरसाए

रेवाड़ी (हरियाणा) ।

रेवाड़ी में एक निजी स्कूल में आठवीं कक्षा के एक छात्र को बेंच पर लिटाकर डंडे से पीटने का मामला सामने आया है। इस दौरान बच्चे पर 20 से 25 बार बेरहमी से डंडे बरसाए। पूरा मामला बस सीट के टूटे जाने को लेकर था, फिलहाल पुलिस ने मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। गांव सहारनवास निवासी प्रवीण कुमार ने बताया कि उनका 13 वर्षीय बेटा गांव पीथड़ावास स्थित नव ज्योति सीनियर सेकेंडरी स्कूल में आठवीं कक्षा का छात्र है। 23 दिसंबर को उसका बेटा रोजाना की तरह घर से स्कूल बस में बैठ कर गया था। स्कूल बस की एक सीट पहले से ही टूटी हुई थी, जिसे वेल्ड किया गया था। उस पर पहले से ही दो बच्चे बैठे हुए थे। चूंकि बस में भीड़ थी, इसलिए उनका बेटा भी उसी सीट पर बैठ गया, किसी कारण से सीट टूट गई। प्रवीण ने आरोप लगाया कि जब उनका बेटा स्कूल पहुंचा तो मैनेजर साहिल ने उस पर बस की सीट तोड़ने का आरोप लगाया और उनके बेटे को धमकाया और बेंच पर लिटा दिया। इसके बाद उस पर डंडे से 20-25 वार किए। उनका बेटा बार-बार कहता रहा कि इसमें उसकी कोई गलती नहीं है, लेकिन उसकी सारी बातें अनसुनी कर दीं। प्रवीण ने बताया कि जब उसका बेटा घर पहुंचा तो वह डरा हुआ था, बैठने-उठने में काफी परेशानी हो रही थी। उन्होंने बच्चे से पूछा तो उसने बताया कि बस की सीट टूटने पर साहिल सर ने उसे बेरहमी से पीटा। जब उन्होंने अपने बेटे के कपड़े उतारे तो देखा कि उसकी पीठ और शरीर के अन्य हिस्सों पर लाठियों से चोट के कई निशान हैं, इस पर उन्होंने तुरंत टीचर को फोन कर बात की। प्रवीण का आरोप है कि जब पीटे जाने का विरोध किया तो उल्टे उनसे कहा गया कि जहां चाहो शिकायत करो। इसके बाद प्रवीण तुरंत अपने बेटे को सिविल अस्पताल ले गए, मेडिकल कराने के बाद रामपुरा थाने में शिकायत दी गई।

6600 करोड़ क्रिप्टो करेंसी केस में बहादुरगढ़ पहुंची ईडी, आरोपी सिंपी के मायके में 24 घंटे से चल रही रेड

रोहतक ।

देश के पहले क्रिप्टो करेंसी केस में चल रही छापेमारी की आंच अब बहादुरगढ़ तक आ पहुंची है। करीबन 6600 करोड़ रुपए के क्रिप्टो करेंसी केस में ईडी की टीम बहादुरगढ़ के सेक्टर-2 में स्थित आरोपी सिंपी भारद्वाज के पिता के घर पर छापेमारी करने पहुंची। प्रवर्तन निदेशालय की टीम और सीआईएसएफ के करीब एक दर्जन कर्मचारी गुरुवार को ही बहादुरगढ़ पहुंच गए थे। यहां सिंपी भारद्वाज के पिता और उनके भाइयों से 24 घंटे से ज्यादा समय से पूछताछ चल रही है।

इतना ही नहीं घर के अंदर मौजूद सभी दस्तावेज भी खंगाले जा रहे हैं। सिंपी भारद्वाज को ईडी ने 17 दिसंबर को दिल्ली से गिरफ्तार किया था। जिसके बाद उसे कोर्ट में पेश किया गया। वहां से उसे रिमांड पर ईडी के हवाले कर दिया गया। सिंपी भारद्वाज और उसके पति अजय भारद्वाज पर निवेशकों से गेन बिटकॉइन पोंजी स्कीम के जरिए करीब 6600 करोड़ रुपए जुटाने का आरोप है। इस मामले में सिंपी के पति अजय भारद्वाज अभी भी पुलिस की गिरफ्त से बाहर हैं। सिंपी भारद्वाज के परिजनों से केस संबंधित जानकारी हासिल की जा रही है। यह पूछताछ काफी लंबे समय तक चलने वाली लग रही है। सिंपी के पिता के घर पर चार सुरक्षाकर्मी मौजूद हैं। जो पूछताछ के दौरान परिजनों को घर से बाहर नहीं जाने दे रहे हैं। प्रवर्तन निदेशालय की टीम के अधिकारी 24 घंटे से ज्यादा समय से एक-एक कर सिंपी के परिजनों से पूछताछ कर रहे हैं।

इतना ही नहीं घर के अंदर रखे सभी दस्तावेजों को भी खंगाला जा रहा है। सूत्रों की माने तो प्रवर्तन निदेशालय की टीम के हाथ सिंपी के पिता के घर से कुछ अहम दस्तावेज लगे हैं। हालांकि मौके पर मौजूद अधिकारी कैमरे के सामने कुछ भी बोलने को तैयार नहीं हैं। ऐसे में अब देखना होगा कि आखिर लंबी जांच और पूछताछ के बाद पूरे मामले में क्या कुछ निकल कर सामने आता है।

चरखी दादरी में डॉक्टरों की हड़ताल रही बेअसर, सीएमओ ने खुद संभाला मोर्चा

चरखी दादरी । चरखी दादरी में हरियाणा सिविल मेडिकल एसोसिएशन के आह्वान पर राज्यव्यापी हड़ताल की चेतावनी देते हुए शुक्रवार को इमरजेंसी सहित दूसरी सेवाएं बंद करने की चेतावनी दी गई थी, लेकिन दादरी के सिविल अस्पताल में कार्यकारी सीएमओ डॉ. गौरव भारद्वाज ने खुद मोर्चा संभालते हुए ओपीडी देखी और दूसरे चिकित्सकों की भी ड्यूटी लगाई गई है। जिसके चलते जिले में स्पेशलिस्ट चिकित्सकों की ओपीडी को छोड़कर लगभग चिकित्सा सेवाएं बहाल रही और हड़ताल का ज्यादा असर देखने को

नहीं मिला है। वहीं दूसरे एसोसिएशन का कहना है कि मानवता के नाते इमरजेंसी व पोस्टमार्टम सेवाएं बंद नहीं की गई है और उन्हें उम्मीद है कि सरकार से साथ वार्तालाप में सकारात्मक परिणाम निकलेंगे। बता दें कि 27 दिसंबर को चरखी दादरी जिले के 17 राजकीय स्वास्थ्य केंद्रों में तैनात 60 चिकित्सकों ने हड़ताल पर रहते हुए ओपीडी सेवाएं पूरी तरह से बंद रखी थी और 29 दिसंबर को सभी चिकित्सा सेवाएं बंद कर हड़ताल पर जाने की चेतावनी दी थी। वहीं इसी बीच एसोसिएशन के साथ सरकार की वार्ता फिक्स हुई जिसके बाद चिकित्सकों ने नरमी दिखाई हैं। हालांकि उन्होंने हड़ताल को तो वापिस नहीं लिया।

चंडीगढ़ पहुंचे आप के राष्ट्रीय संगठन महामंत्री डा. संदीप पाठक, पदाधिकारियों के साथ कर रहे हैं बैठक

चंडीगढ़ । आम आदमी पार्टी के राष्ट्रीय महामंत्री (संगठन) और राज्यसभा सांसद डॉ. संदीप पाठक चंडीगढ़ में हरियाणा की प्रदेश कार्यकारिणी और सभी जिलों के पदाधिकारियों के साथ बैठक कर रहे हैं। डॉ. संदीप पाठक बैठक में आगामी लोकसभा और विधानसभा चुनावों की तैयारियों लेकर चर्चा करेंगे और प्रदेश में आम आदमी पार्टी की आगामी रणनीति को लेकर चर्चा करेंगे। बैठक में आम आदमी पार्टी के प्रदेश अध्यक्ष डॉ. सुशील गुप्ता, चुनाव प्रचार समिति के अध्यक्ष डॉ. अशोक तंवर, वरिष्ठ प्रदेश उपाध्यक्ष अनुराग ढांडा और राष्ट्रीय संयुक्त सचिव निर्मल चौधरी और उपाध्यक्ष चित्रा सरवारा भी मौजूद है।

लायंस विद्या मंदिर स्कूल प्रांगण में हुआ त्रैमासिक निःशुल्क योग प्रशिक्षण शिविर का आयोजन

बरेली।

उत्तर प्रदेश संस्कृत संस्थान लखनऊ के द्वारा निदेशक विनय श्रीवास्तव तथा जितेंद्र कुमार (आई ए एस, अपर मुख्य सचिव, भाषा विभाग) के कुशल निर्देशन में त्रैमासिक निशुल्क योग प्रशिक्षण शिविर लायंस विद्या मंदिर स्कूल बरेली में आयोजित किया गया। लायंस विद्या मंदिर स्कूल के प्रबंधक सतीश अग्रवाल द्वारा मां सरस्वती के समक्ष दीप प्रज्जवलित एवं माल्यार्पण कर कार्यक्रम का शुभारंभ हुआ। मैनेजर सतीश अग्रवाल ने कहा कि इस तरह के आयोजनों से योग शरीर व मस्तिष्क दोनों ही स्वस्थ रहते हैं। स्कूल की प्रधानाचार्य श्रीमती वैशाली जौहरी ने छात्र-छात्राओं को संबोधित करते हुए कहा कि योग वह प्रकाश है जिस के लिए हम जितना अभ्यास करेंगे उसकी लौ उतनी ही ज्यादा उज्जवल होगी। योग प्रशिक्षिका सर्वेश कुमारी गुप्ता ने अपने विचार रखते हुए कहा कि योग शरीर को स्वस्थ बनाता है,

उत्तर प्रदेश संस्कृत संस्थान लखनऊ के निदेशक विनय श्रीवास्तव, जितेंद्र कुमार (आई ए एस, अपर मुख्य सचिव, भाषा विभाग) के निर्देशन में हुआ कार्यक्रम का आयोजन

इसलिए सभी को योग को अपनी दिनचर्या में शामिल करना चाहिए। उन्होंने कहा कि सभी छात्र-छात्राओं को तीन माह के प्रशिक्षण के बाद प्रमाण पत्र भी प्रदान किए जाएंगे। कार्यक्रम में शशि शर्मा, याचना सक्सेना, नीलम पाराशरी, आरती रस्तोगी आदि का सहयोग रहा। योग प्रशिक्षण शिविर कार्यक्रम का संचालन गुंजन सक्सेना द्वारा किया गया। कार्यक्रम के अंत में प्रशिक्षिका सर्वेश कुमारी गुप्ता ने कुशल मार्गदर्शन के लिए संस्थान के अधिकारीगण, लाइंस विद्या मंदिर स्कूल परिवार, मैनेजर सतीश अग्रवाल, प्रधानाचार्य वैशाली जौहरी, एवं दिव्यरंजन, महेंद्र पाठक, शिवम गुप्ता, राधा शर्मा आदि के लिए आभार व्यक्त किया।

पांच हजार रिश्वत लेते महिला लेखपाल गिरफ्तार, दाखिल खारिज के लिए मांगी थी रिश्वत, एंटी करप्शन ने की कार्रवाई

बरेली।

अपर जिलाधिकारी प्रशासन के सरकारी आवास के पास एक व्यक्ति से पांच हजार रुपये की रिश्वत लेते सदर तहसील की राजस्व लेखपाल सीमा देवी को एंटी करप्शन की टीम ने गिरफ्तार कर लिया। उसके खिलाफ कोतवाली में भ्रष्टाचार निवारण अधिनियम में एफआईआर दर्ज की गई है।निरीक्षक सुनील कुमार ने बताया कि इज्जतनगर के आलोकनगर निवासी निगम कुमार

कुलश्रेष्ठ ने 19 दिसंबर को एंटी करप्शन कार्यालय में उपस्थित होकर शिकायत की थी। शिकायती पत्र में बताया कि उनकी पत्नी अलका कुलश्रेष्ठ ने ग्राम मकरनंदापुर ब्लॉक भोजीपुरा में भूमि 25 मई 2022 को खरीदी थी। अपनी भूमि में जाने के लिए बराबर के भूमि मालिक विजयपाल की भूमि के निकलने के रास्ते के लिए रजिस्ट्री कराई। दाखिल खारिज कराने के लिए मकरंदापुर की तहसील सदर की लेखपाल सीमा राजपूत पत्नी सत्यदेव राजपूत को नियुक्त किया। जह वह लेखपाल से मिले तो उन्होंने इसके बदले पांच हजार रुपये मांगे।कहा कि रुपये नहीं मिले तो वह काम नहीं करेंगी।

एसएसपी की दौड़ी तबादला एक्स्प्रेस, 5 सीओ समेत 77 महिला सिपाही भी शामिल

बरेली। अपराध पर नियंत्रण लगाने के लिए एसएसपी ने पांच सीओ का जनपद में ही तबादला किया है। जिसमें तीन नए सीओ भी शामिल हैं। वहीं इस दबादला लिस्ट में 77 महिला सिपाही भी शामिल हैं। सीओ सर्किल में जिसमें क्षेत्राधिकारी लाइन्स सीओ अभिजीत कुमार को क्षेत्राधिकारी नगर द्वितीय की जिम्मेदारी दी गई है। वह थाना किला, सुभाषनगर व सीबीगंज में अपराध नियंत्रण कानून व्यवस्था देखेंगे। इसके साथ ही क्षेत्राधिकारी द्वितीय हर्ष मोदी को क्षेत्राधिकारी नवाबगंज बनाया गया है। वह नवाबगंज, हाफिजगंज, भोजीपुरा, व क्योलडिया थाने की जिम्मेदारी संभालेंगे। वहीं नवागत सीओ नीलेश मिश्र को क्षेत्राधिकारी आंवला बनाया गया है। वह थाना आंवला, भमोरा, विशारतगंज, सिरौली व अलीगंज की कमान संभालेंगे। इसी तरह नवागत सीओ संदीप सिंह को क्षेत्राधिकारी प्रथम बनाया गया है। उनके पास कोतवाली, प्रेमनगर, कैंट व महिला थाने की जिम्मेदारी रहेगी। नवागत सीओ नितिन कुमार को क्षेत्राधिकारी अपराध बनाया गया है। वहीं 77 महिला सिपाहियों को भी इधर उधर किया गया है।

प्रधानमंत्री के कार्यक्रम को लेकर जनता में उत्साह- खब्बू तिवारी

पूर्व विधायक ने गोसाईगंज विधानसभा के विभिन्न स्थानों पर किया तूफानी जनसम्पर्क

अयोध्या।

प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के प्रस्तावित कार्यक्रम को लेकर पूर्व विधायक इन्द्र प्रताप तिवारी खब्बू ने अपनी पूरी ताकत झोंक दी है। गोसाईगंज विधानसभा के बंधनपुर व नगर पंचायत गोसाईगंज सहित दर्जनों स्थानों पर जनसम्पर्क के दौरान जनता को प्रधानमंत्री के कार्यक्रम हेतु उन्होंने आमंत्रित किया। खब्बू तिवारी ने कहा कि प्रधानमंत्री के कार्यक्रम को लेकर जनता में अपार उत्साह है। लोग महारैली में पहुंचने के लिए आतुर है। सभी अपेक्षित व्यवस्थाएं उपलब्ध कराने की जिम्मेदारी भाजपा उठा रही है। पार्टी के सभी स्थानीय कार्यकर्ता व जनप्रतिनिधि बूथ स्तर पर इसके लिए जनसम्पर्क कर रहे है। लोगो के आने के लिए बसों, चार पहिया वाहनों की व्यवस्था है। इसके साथ में भारी संख्या में लोग अपने वाहनों, मोटरसाईकिल से कार्यक्रम स्थल पर जाएगें। विभिन्न स्थानों से जलूस की शक्ल में लोग महारैली के लिए प्रस्थान करेंगे। विधानसभा से 30 हजार से अधिक की संख्या महारैली में जाएगी। इस अवसर पर अशोक वर्मा, प्रदीप जायसवाल, दुर्गेश तिवारी, संजय पराग, रामजी द्विवेदी, ध्रुव गुप्ता, सियाराम वर्मा सहित भाजपा पदाधिकारी व कार्यकर्ताओं की उपस्थिति रही।

योगेंद्र प्रताप योगी, सैय्यद आफताब अहमद बने अधिवक्ता सभा के जिला उपाध्यक्ष उपाध्यक्ष

अयोध्या।

समाजवादी पार्टी कार्यालय लोहिया भवन गुलाब बाड़ी में अधिवक्ता सभा जनपद अयोध्या के द्वारा संगठन को मजबूत करने के लिए योगेंद्र प्रताप योगी को जिला उपाध्यक्ष सैयद आफताब अहमद को जिला उपाध्यक्ष ओमप्रकाश राव को जिला सचिव पूर्व मंत्री तेजनारायन पांडेय पवन व पार्टी के महानगर महासचिव हामिद जाफर मीसम अंसार अहमद बब्बन, जगन्नाथ यादव, वसी हैदर गुड्डू व अधिवक्ता सभा के जिला अध्यक्ष शावेज जाफरी के द्वारा मनोनयन पत्र दिया गया। इस अवसर पर पूर्व मंत्री विधायक तेजनारायण पांडेय पवन ने कहा कि लगातार अधिवक्ताओं का

पूर्व मंत्री पवन पांडेय ने सौंपा नियुक्ति पत्र

समाजवादी पार्टी के प्रति जुड़ाव से निश्चित रूप से 2024 लोकसभा चुनाव में बड़ी सफलता मिलेगी। अधिवक्ता सभा के जिला अध्यक्ष शावेज जाफरी ने आगामी 7 जनवरी को समाजवादी प्रदेश कार्यालय में राष्ट्रीय अध्यक्ष के नेतृत्व में होने वाले अधिवक्ता सभा के कार्यक्रम की भी रणनीति बनाई ।

अधिवक्ता सभा के जिला प्रवक्ता विजय कुमार यादव ने बताया की तीनों पदाधिकारी को माला पहनाकर पार्टी कार्यालय पर मनोनयन पत्र दिया गया । इस अवसर पर मुख्य रूप से राकेश कुमार, वीरेंद्र गौतम, धर्मेंद्र यादव, विजय कुमार यादव, रोहित यादव, अर्जुन प्रताप यादव, शुभम, निखिल राय, रिशु सिंह आदि उपस्थित रहे।

फतेहगंज पश्चिमी प्रीमियर लीग टूर्नामेंट फाइनल का हुआ समापन, चेयरमैन ने खिलाड़ियों को स्मृति चिन्ह और पुरस्कार देकर किया सम्मानित

फतेहगंज पश्चिमी ।

कस्बे में फतेहगंज पश्चिमी प्रीमियम लीग टूर्नामेंट का आयोजन हुआ। जिसमें क्षेत्र की 6 टीमों ने हिस्सा लिया?।

क्रिकेट टूर्नामेंट के फाइनल प्रतियोगिता में आयत ट्रेडर्स ने सनराइजर्स हेल्थ केयर को कड़े मुकाबले में एक रन से पराजित कर प्रतियोगिता जीती। मैन ऑफ द मैच कामिल अंसारी व मैच ऑफ द सीरीज कप्तान जैनुल अंसारी चुने गए। आयत ट्रेडर्स के मालिक वसीम अंसारी टीम के साथ मैच में उपस्थित रहे। फाइनल प्रतियोगिता में मुख्य अतिथि के तौर पर नगर पंचायत अध्यक्ष चेयरमैन इमराना बेगम, फहीम अंसारी उर्फ बबलू, व्यापार मंडल अध्यक्ष आशीष अग्रवाल, कस्बे के प्रमुख समाजसेवी और व्यापारी अंकुर गुप्ता, जगत सिंह उर्फ सनी, डॉ मुदित प्रताप सिंह, वसीम अंसारी उर्फ बंटी, विवेक अग्रवाल उर्फ लकी, ठिरिया प्रधान फुरकान खान, शांशक अग्रवाल उर्फ अन्ना भाई, मंयक अग्रवाल,आकाश जरवानी आदि लोग उपस्थित रहे सभी ने खिलाड़ियों का हौसला अफजाई की।

भारतीय अधिनियम की धज्जियां उड़ाता है एक होटल

बरेली ।

होटल रेडिसन नाम तो सुना ही होगा आपने बरेली के पीलीभीत रोड पर बने इस होटल में भारतीय वन्यजीव अधिनियम की खुलेआम धज्जियां उड़ाते हुए दो लंगूरों को कैद कर रखे जाने की खबर किसी से छुपी नही है। जबकि निजी शौक के लिए कोई भी वन्यजीव पाला नहीं जा सकता। चाहे उसे कितनी ही सुख सुविधा के बीच क्यों न रखा जाए। भारतीय वन्य जीव संरक्षण अधिनियम कहता है कि सिर्फ दूध देने और कृषि प्रयोग वाले पशुओं को ही पाला जा सकता है। इसके अलावा किसी अन्य जीव को पाला नहीं जा सकता। पीलीभीत रोड स्थित होटल रेडिसन के परिसर में दो लंगूर कैद होने का मामला जब से सामने आया है। वन विभाग के रेडार पर होटल रेडिएशन आ गया है। और

हुआ भी कुछ ऐसा ही जब बुधवार को दो लंगूरों को जंजीरों में कैद करने के मामले में वन विभाग की टीम एक्शन मूड में नजर आई। वन विभाग की तरफ से वनरक्षक दीपक कुमार ने होटल रेडिसन पर एक्शन लेते हुए होटल के कर्मचारी देव सिंह और सुरक्षा प्रभारी तनवीर के खिलाफ वन्य जीव अधिनियम के तहत विभिन्न धाराओं में मुकदमा दर्ज करा दिया है।जिसकी विवेचना एसडीओ आलोक कुमार कर रहे हैं। वनरक्षक दीपक कुमार और रेंजर हरिश मेहता की तरफ से मुकदमा पंजीकृत कराया गया है। ऐसा बताया जा रहा है कि वन्य जीव अधिनियम के तहत दर्ज मुकदमे में दो साल तक की सजा और जुर्माने का भी प्रावधान है। लेकिन इस मामले में होटल रेडिएशन के प्रबंध निदेशक मेहताब सिद्दीकी का नाम कहीं भी नहीं है ऐसा कैसे हो सकता है कि इतने बड़े होटल में लंगूरों को कैद करने की जानकारी होटल के प्रबंधक को न हो। यहां पर वन विभाग द्वारा की गई कार्रवाई पर संदेह बना हुआ है, कि इस मामले में होटल रेडिसन के प्रबंधक को मुकदमे से क्यों दूर रखा गया है। आपको बता दें कि जंजीरों से कैद किये गए लंगूर आने जाने वाले लोगों की तरफ इस उम्मीद से निहारते थे जैसे शायद उन्हें अभी कोई इस कैद से मुक्ति दिल देगा। होटल रेडिसन वह जगह है जहाँ शहर के बड़े बड़े अधिकारी और नेताओं का अक्सर आना जाना लगा रहता है। इसके बावजूद भी होटल रेडिसन ने बेखौफ होकर दो लंगूरों को अपने परिसर में कैद कर रखा था।

नई दिल्ली। (आकाश शाक्य), सुल्तानपुरी, बी-2 ब्लॉक में लॉयन इंडिया क्लासिक फिट इंडिया के द्वारा पॉवरलिफ्टिंग चौम्पियनशिप, बेंच प्रेस, डेडलिफ्ट का आयोजन किया गया, जिसमें में भाग लेने वाले खिलाड़ियों को पुरस्कार/टोंफी देकर क्षेत्रीय निगम पार्षद बॉबी व आयोजक रघुवीर सिंह (बंटी), प्रदीप कुमार, विजय कुमार भारती, परमजीत सिंह, अरमान सलमानी तथा कोचो ने सम्मानित किया। छायाः सक्षम भारत

निगम में आप पार्टी की छवि को धूमिल कर रहे है, भ्रष्ट अभियंता

साउथ जोन, भवन विभाग-1 में बिल्डर माफिया और भ्रष्ट अभियंताओं की मिलीभगत से अवैध निर्माणों की बाढ़?

भ्रष्टाचार की काली कमाई से अभियंताओं और उपायुक्त की भरी तिजोरियां

दि.न.नि के मुख्य सतर्कता अधिकारी जी कब तक चलता रहेगा भ्रष्टाचार का खेल?

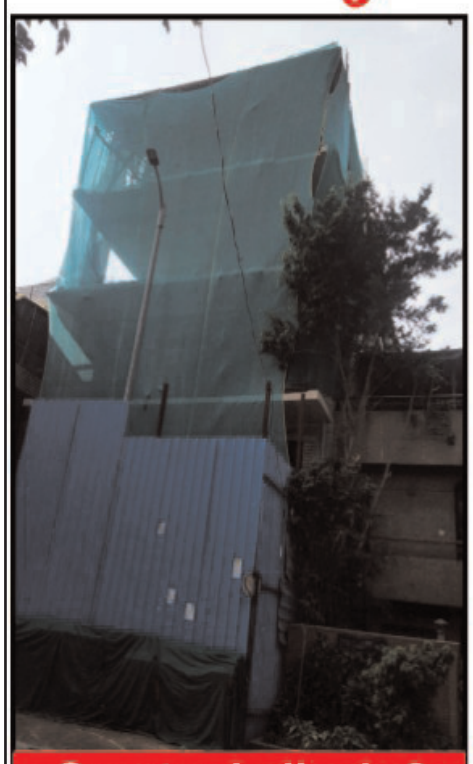
Greater kailash-2

Hauz Khas

Vasant Vihar

Chitranjan Park

साउथ जोन में बिल्डर माफिया का राज, स्लम युक्त बनते जा रहे है, सभी वार्ड वार्ड में चार से पांच मंजिला, अवैध बिल्डिंग व अवैध बेसमेन्ट सहित गैर-कानूनी तरीके से धड़ल्ले से किए जा रहे है अवैध निर्माण

वार्ड नं. 148 (हौज खास), 153 (वंसत विहार), 171 (चितरंजन पार्क), 173 (ग्रेटर कैलाश) के भवन विभाग-1, अधिशासी अभियंता श्री विकास गुप्ता, सहायक अभियंता श्री राजबीर सिंह, श्री अमरजीत सिंह व कनिष्ठ अभियंता श्री सुरेन्द्र सिंह मोर, श्री सन्नी रमन, श्री प्रत्यूष कुमार सिंह

अभियंताओं की काली कमाई चल-अचल व बेनामी सम्पत्ति की श्रीमान निदेशक जी, सीबीआई, भारत सरकार से जांच की मांग।

अध्यक्ष: अपराध एवं भ्रष्टाचार निरोधक मोर्चा

विज्ञापन.....